A Daily News Magazine
भोपाल
शुक्रवार, 23 जनवरी, 2026

सुबह सवेरे

भोपाल एवं इंदौर से एक साथ प्रकाशित
वर्ष 23, अंक 143, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2

subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews

प्रसंगवश

और राग सब बने बराती दुल्हो राग बसंत..!

अनुराधा गोयल

सदा बसंत रहत वृंदावन पुलिन पवित्र सुभग यमुना तट।।
जटित क्रीट मकराकृत कुंडल मुखारविंद भँवर मानौं लट।

ब्रज में यूं तो ऋतुओं की भरमार है किंतु एक ऋतु ऐसी है जो ब्रज में अपने उन्माद को लिए हुए नित्य विराजमान है और वह है बसंत ऋतु। वृंदावन के रसिक आचार्य ने तो यहां तक कहा है की ब्रज से वसंत कभी भी एक क्षण के लिए बाहर नहीं जाता अपितु वह तो सदा सर्वदा यही श्री राधा कृष्ण की सेवा में रत रहता है। बसंत पंचमी का उत्सव इसी के अंतर्गत मनाया जाता है।

ज्योतिष एवं आयुर्वेद के अनुसार चैत्र तथा वैशाख मास को वसंत ऋतु माना गया है। शल्य चिकित्सा के प्रवर्तक सुश्रुत ने तो वसंत के लिए कहा है कि 'मधुमाधवौ वसन्तः' अर्थात मधु (चैत्र) और माधव (वैशाख) ही बसंत है। तैत्तिरीय संहिता में भी कहा गया है कि 'मधुश्व माधवश्व वासन्तिकावृत' अर्थात् मधु और माधव मास ही वसन्त ऋतु। तैत्तिरीय ब्राह्मण में ऋतुओं का उल्लेख करते हुए बताया गया है कि 'तस्य ते वसन्तः शिरः' अर्थात् वर्ष का सिर (शीर्ष) ही बसंत ऋतु है। कालिदास ने वसंत ऋतु के वर्णन में अपने प्रसिद्ध ग्रंथ ऋतुसंहार में कहा है 'सर्वप्रिये चारूतरं वसन्ते' अर्थात वसंत ऋतु में सब कुछ मनोहर ही मालूम पड़ता है। इसके साथ ही गीत गोविंद में श्री जयदेव गोस्वामी लिखते है 'विहरति हरिरिह सरस वसंते' अर्थात बसंत के वियोग से सभी दिशाएं प्रसन्न हो रही है। किंतु वर्तमान लोकांचल यानी उत्तर एवं पूर्वी भारत में मुख्यतः बसंत का आगमन माघ शुक्ल पंचमी अर्थात् बसंत पंचमी के दिन ही माना जाता है।

वसंत ऋतु के आगमन की बात करें तो माघ मास में भगवान भास्कर के मकर राशि में प्रवेश के उपरांत शीत ऋतु का प्रकोप कम होने लगता है। माघ शुक्ल पक्ष की पंचमी को ऋतुराज बसंत का आगमन पृथ्वी पर एक उत्सव के रूप में होता है। वसंत के स्वागत में वसुधा अपने रूप को सँवार कर वसंत का स्वागत करती है। बसंत के आगमन पर संपूर्ण सृष्टि में मादकता सी छा जाती है साथ ही पेड़ों के नवीन पात, वन उपवन में फूलों से लदी डाली, आम के बौर, कोयल की कूक एवं सरसों के रूप में पीली चुनर ओढ़े धरती यह सब सूचना देती हैं कि बसंत अब आ चुका है।

ब्रज में यह उत्सव अत्यंत ही हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है। जहां प्रायः भारत में अन्य जगह इस उत्सव पर लोग पीले वस्त्र धारण कर वाग्देवी श्री सरस्वती मां का पूजन अर्चन करते है वही दूसरी और ब्रज में यह उत्सव कुछ अलग ही ढंग से मनाया जाता है। वसंत पंचमी के दिन से ब्रज के सुप्रसिद्ध 45 दिवसीय होलीकोत्सव का प्रारंभ हो जाता है। बसंत पंचमी को ब्रज में होली का प्रथम दिन माना जाता है। श्रीमद्भगवद्गीता में भगवान श्रीकृष्ण ने ऋतुओं में स्वयं को वसंत ऋतु बताया है :-

बृहत्साम तथा साम्नांगायत्री छन्दसामहम।
मासानां मार्गशीर्षोहमृतूनां कुसमाकरः।।

गायी जानेवाली श्रुतियों में बृहत्साम हूँ, वैदिक छन्दों में गायत्री छन्द हूँ, बारह महीनों में मार्गशीर्ष हूँ तथा छः ऋतुओं में, मैं ही वसन्त हूँ।

ब्रज के गांवों, नगरों एवं मंदिरों में बसंत उत्सव मनाने की परंपरा अनवरत रूप से आज भी जारी है। बसंत पंचमी से ब्रज में बसंत उत्सव का श्रीगणेश हो जाता है। इस दिन ठाकुरजी नवीन पीले वस्त्र धारण करते है। मंदिरों की सजावट भी पीले साज, वस्त्रों एवं फूलों से की जाती है। यहां तक कि पुजारी भी पीले वस्त्र पहन कर ही मंदिरों में सेवा करने हेतु पधारते है। नए सरसों के फूल ठाकुरजी को बसंत आगमन के उपलक्ष्य में निवेदित किए जाते है। साथ ही साथ कई जगह तो विशेष पीले रंग के भोग निवेदित किए जाते है। अपने इष्ट के मनमोहक स्वरूप को देखकर बृजवासी प्रेम के वशीभूत होकर सहज ही गा उठते हैं-

'श्यामा श्याम बसंती सलोनी सूरत को श्रृंगार बसंती है '

श्री राधा कृष्ण की जो छटा है वह भी वसंती है (नित्य नवीन) तथा उनका श्रृंगार भी बसंती है।

बसंत पंचमी के दिन ब्रज में होली का डांढ़ा (खूंटा) गड़ जाता है। आज से ही वृंदावन में होली का प्रारंभ भी हो जाता है। सभी देवालयों में होलिकाष्टक(होली से आठ दिन पहले) तक राजभोग पर यानि दोपहर समय अबीर गुलाल उड़ाया जाता है। विश्वविख्यात ठाकुर बांके बिहारी मंदिर में प्रसाद स्वरूप अबीर -गुलाल भक्तों और दर्शनार्थियों के ऊपर बहुत ही अधिक मात्रा में उड़ाया जाता है।

इसी के साथ वृंदावन में स्थित शाह बिहारी मंदिर में बसंत पंचमी के दिन बसंती कमरा 3 दिनों के लिए खुलता है। रंग-बिरंगी रोशनी से सराबोर बसंती कमरे में विराजमान ठाकुर राधा रमण लाल की अलौकिक छटा होती है। यह कमरा वर्ष में बहुत ही कम दिनों के लिए खुलता है। होली का छेता निकलने के साथ ही वृंदावन के प्रमुख मंदिर श्री राधावल्लभ मंदिर, श्री राधारमण मंदिर, श्री राजबिहारी कुंज बिहारी मंदिर, श्री राधा दमोदर मंदिर आदि अन्य मंदिरों में भी बसंत उत्सव का प्रारंभ हो जाता है।

कोयल की कुहू-कुहू सुनकर सभी सखियाँ हर्ष से फूली नहीं समा रही है और वह श्री कृष्ण को नित्य विहार हेतु यह कह कर मना रही है कि सुनो प्रिय वसंत ऋतु का आगमन हो चूका है। अतः अंत में सखियों के मनाने से श्रीकृष्ण मंद-मंद मुस्काने लग जाते है और सखियों के संग वसंत उत्सव मानने चले जाते है। वृंदावन के मंदिरों में बसंत की समाज भी अद्भुत होती है। ब्रज में बसंत गायन की एक सुदीर्घ परंपरा रही है। हरित्रयी के नाम से विख्यात रसिक संत स्वामी श्री हरिदास जी, श्री हरिराम व्यास जी एवं श्री हित हरिवंश जी ने अपने रचित पदों में बसंत का भरपूर गान किया है।

महावाणी' नामक ग्रंथ में बसंत पूजन विधि का विशद वर्णन किया गया है जिसे गोलोक वृन्दावन (नित्य वृन्दावन जहां केवल राधा कृष्ण एवं सखियाँ होती है) में सखियाँ मिल कर सम्पादित करती है। वृंदावन एवं ब्रज में बसंत पंचमी पर उत्सव आदि किए जाते है। बसंत राग का प्रारंभ इसी दिन से शुरू हो जाता है व समाज गायन में वसंत राग से भरे पदावलियों का गायन किया जाता है।

और राग सब बने बराती दुल्हो राग बसंत,
मदन महोत्सव आज सखी री विदा भयो हेमंत।

वृंदावन और बसंत का संबंध अभिन्न है। इस संबंध के विषय में जितना कहा जाए उतना ही कम प्रतीत होता है। श्रीकृष्ण का पूरा जीवन हर्ष का प्रतीक है,उल्लास का प्रतीक है, नवीनता का प्रतीक है और ऐसे में बसंत से सुन्दर और कौन सी ऋतु होगी जिसमे स्वयं भगवान प्रफुल्लित न हो।

(श्रेष्ठ हिंदी यात्रा ब्लॉग के संपादित अंश)

भोजशाला विवाद

दोपहर 12 बजे तक पूजा, फिर होगी नमाज

- सुप्रीम कोर्ट ने कहा-नमाज के बाद दोबारा पूजा कर सकेंगे
- अखंड पूजा वाली याचिका पर आ गया है एससी का निर्णय

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने मध्य प्रदेश के धार की भोजशाला में हिंदू पक्ष से 12 बजे तक पूजा करने के लिए कहा है। इसके बाद मुस्लिम पक्ष नमाज पढ़ेगा। हिंदू पक्ष शाम 4 बजे से फिर पूजा कर सकेगा।

हिंदू पक्ष ने 23 जनवरी को बसंत पंचमी पर पूरे दिन अखंड सरस्वती पूजा की अनुमति के लिए 20 जनवरी को याचिका दायर की थी। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को फैसला सुनाया है। मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति विपुल पंचोली की पीठ ने की। सुनवाई के दौरान हिंदू पक्ष के वकील ने कहा कि बीते कुछ वर्षों से बसंत पंचमी शुक्रवार को पड़ रही है। कल बसंत पंचमी है और सूर्योदय से सूर्यास्त तक पूजा, हवन और पारंपरिक अनुष्ठान होंगे। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के वकील ने अदालत को आश्वस्त किया कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने की पूरी व्यवस्था की जाएगी, जैसा कि पूर्व वर्षों में किया जाता रहा है। मस्जिद पक्ष के वकील ने कहा कि दोपहर 1 से 3 बजे के बीच नमाज अदा की जाएगी। इसके बाद परिसर खाली कर दिया जाएगा। हिंदू पक्ष की ओर से यह सुझाव दिया गया कि नमाज शाम 5 बजे के बाद कराई जाए, ताकि पूजा निर्बाध चल सके।

'नमाज के लिए विशेष क्षेत्र उपलब्ध कराया जाएगा'

सुप्रीम कोर्ट ने एक संतुलित समाधान अपनाते हुए कहा कि दोपहर 1 से 3 बजे तक नमाज के लिए परिसर के भीतर ही एक अलग और विशेष क्षेत्र उपलब्ध कराया जाएगा, जहां आने-जाने के लिए अलग प्रवेश और निकास मार्ग होंगे, ताकि नमाज शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो सके। इसी तरह हिंदू समुदाय को भी बसंत पंचमी के अवसर पर पारंपरिक धार्मिक अनुष्ठान करने के लिए परिसर में अलग स्थान उपलब्ध कराया जाएगा। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि यह व्यवस्था सांप्रदायिक सौहार्द्र और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से की गई है। प्रशासन को निर्देश दिए गए हैं कि दोनों समुदायों के धार्मिक आयोजनों में किसी तरह की बाधा न आए और शांति बनी रहे।

बांग्लादेश का भारत में टी-20 वर्ल्ड कप खेलने से इनकार

- आईसीसी ने वेन्यू और ग्रुप बदलने की मांग खारिज की थी

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश ने भारत में टी-20 वर्ल्ड कप खेलने से इनकार कर दिया है। एजेंसी के अनुसार बीसीबी के प्रेसीडेंट अमीनुल इस्लाम बुलबुल ने कहा है कि हम टी-20 वर्ल्ड कप खेलना चाहते हैं, लेकिन भारत में नहीं। हम आईसीसी से एक बार फिर बात करेंगे और कहेंगे कि वे हमारी चिंताओं पर ध्यान दें। बुलबुल के अनुसार आईसीसी बोर्ड मीटिंग में कुछ फैसले चौंकाने वाले रहे। मुस्तफिजुर से जुड़ा मामला कोई एकल घटना नहीं है। इस पूरे मुद्दे में भारत ही अकेला फैसला लेने वाला पक्ष था। अध्यक्ष ने कहा कि बांग्लादेश इस मसले पर अपनी लड़ाई जारी रखेगा और आईसीसी के साथ संवाद बंद नहीं किया जाएगा। आईसीसी ने बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड को एक दिन की मोहलत दी थी।

शरद की सुबह

झूम रही हैं... खिली-अधखिली
किसिम-किसिम की गंधों-स्वादों वाली ये
मंजरियां
तरुण आम की डाल-डाल टहनी-टहनी
चूम रही हैं--
कुसुमाकर को! ऋतुओं के राजाधिराज
को !!
इनकी इठलाहट अर्पित है छुई-मुई की
लोच-लाज को !!
तरुण आम की ये मंजरियाँ...
उद्धित जग की ये किन्नरियाँ
अपने ही कोमल-कच्चे वृन्तों की मनहर
सन्धि भंगिमा
अनुपल इनमें भरती जाती
ललित लास्य की लोल लहरियाँ !!
तरुण आम की ये मंजरियाँ !!
रंग-बिरंगी खिली-अधखिली...

- नागार्जुन

मुख्यमंत्री की उपस्थिति में म.प्र. और डीपी वर्ल्ड के बीच हुआ एमओयू

वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम-2026

- लॉजिस्टिक्स इंफ्रास्ट्रक्चर और निवेश सहयोग के लिए बनी सहमति
- संयुक्त अरब अमीरात स्थित वैश्विक लॉजिस्टिक्स एवं सप्लाई चेन क्षेत्र की अग्रणी कंपनी है डीपी वर्ल्ड

भोपाल (नप्र)। वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम-2026 में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की उपस्थिति में बुधवार को दावोस में मध्यप्रदेश और वैश्विक लॉजिस्टिक्स एवं सप्लाई चेन क्षेत्र की संयुक्त अरब अमीरात (दुबई) में स्थित अग्रणी कंपनी डीपी वर्ल्ड के बीच महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। मध्यप्रदेश शासन की ओर से अपर मुख्य सचिव श्री नीरज मंडलोई ने एवं डीपी वर्ल्ड की ओर से मुख्य कार्यकारी अधिकारी तथा वित्त एवं व्यवसाय विकास अधिकारी श्री अनिल मोहता ने एमओयू पर हस्ताक्षर किये। इस अवसर पर डीपी वर्ल्ड के समूह अध्यक्ष श्री सुल्तान अहमद बिन सुलायेम उपस्थित रहे। इस एमओयू के माध्यम से औद्योगिक विकास और निवेश सहयोग से जुड़े विषयों पर सहमति बनी, जो राज्य में लॉजिस्टिक्स, इन्फ्रॉस्ट्रक्चर और व्यापारिक गतिविधियों को नई दिशा देने की क्षमता रखती है।

एमओयू में डीपी वर्ल्ड द्वारा मध्यप्रदेश में निवेश और सहयोग की संभावनाओं को आगे बढ़ाने पर सहमति व्यक्त की गई। यह पहल राज्य को राष्ट्रीय और वैश्विक सप्लाई चेन नेटवर्क से जोड़ने की दिशा में अहम मानी जा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस अवसर पर राज्य की औद्योगिक नीतियों और निवेश के लिए अनुकूल वातावरण एवं बुनियादी ढांचे के संबंध में विस्तार से जानकारी दी।

एमओयू के दौरान दोनों पक्षों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे और औपचारिक रूप से समझौता दस्तावेजों का आदान-प्रदान किया गया। यह समझौता ज्ञापन मध्यप्रदेश को लॉजिस्टिक्स और व्यापार के क्षेत्र में एक सशक्त केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम होगा।

केदारनाथ का पुनरुद्धार किया अब 35 धामों को रेनोवेट करेंगे

- ऋषिकेश में अमित शाह बोले, गायत्री परिवार के कार्यक्रम लिया हिस्सा

सीएम पुष्कर सिंह धामी बोले-कश्मीर के लिए हजारों उत्तराखंडी शहीद

देहरादून (एजेंसी)। गृह मंत्री अमित शाह दो दिवसीय दौरे पर गुरुवार को उत्तराखंड पहुंचे। ऋषिकेश में उन्होंने गीता प्रेस के कार्यक्रम में कहा- मेरी तीन पीढ़ियों ने यानी की दादी, मां और पोती ने भी गीता कल्याण को पढ़ा है। इसके साथ ही उन्होंने मंच से कहा कि गीता प्रेस की 'कल्याण' पत्रिका ने 100 सालों से सनातन संस्कृति की ज्योति जलाए रखी है। शाह ने अपने भाषण में केदारनाथ-बद्रीनाथ धाम का भी जिक्र किया। शाह ने कहा कि देशभर में 35 से ज्यादा तीर्थों को पुनर्जागृति (रेनोवेट) के लिए और व्यवस्था ठीक करने पर विचार हो रहा है। कार्यक्रम पूरा होने के बाद बुधवार शाम वे कनखल स्थित हरिहर आश्रम पहुंचे, जहां उन्होंने जूना अखाड़े के आचार्य महामंडलेश्वर एवं पीठाधीश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरी से मुलाकात की।

- **शताब्दी समारोह को 'सात्विक' और बिना चकाचौंध वाला बताया**- उन्होंने कहा कि कई संस्थाओं के शताब्दी समारोहों में करोड़ों रुपए खर्च होते हैं, लेकिन यहां माहौल अलग दिखा। अमित शाह ने आयोजन की सादगी का जिक्र करते हुए कहा कि संतों की उपस्थिति में सात्विक तरीके से 100वां अंक प्रकाशित किया गया। साथ ही उन्होंने ट्रस्टियों से कहा कि इस परंपरा को बनाए रखें, ताकि आने वाले समय में 200वां अंक भी प्रकाशित हो सके। अमित शाह ने कहा कि बद्रीधाम का स्केच पूरा बन चुका है।

अविमुक्तेश्वरानंद को चेतावनी, माघ मेले से बैन कर देंगे

सोनीपत (एजेंसी)। शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरा नंद सरस्वती और यूपी सरकार के बीच विवाद अब नए मोड़ पर पहुंच गया है। मौनी अमावस्या के दौरान स्नान को लेकर शुरू हुए विवाद के बाद अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती यागराज माघ मेले में ही धरने पर बैठे हैं और प्रशासन से उनकी लड़ाई जारी है। अविमुक्तेश्वरानंद ने योगी आदित्यनाथ को सनातन के लिए औरंगजेब से बुरा बताते हुए आलोचना की थी। इसके जवाब में योगी आदित्यनाथ ने कहा कि संत के लिए धर्म से बढ़कर कुछ नहीं हैं। सन्यासी के लिए धर्म और राष्ट्र सर्वोपरि होते हैं। उसकी व्यक्तिगत प्रॉपर्टी भी कुछ नहीं होती। धर्म ही उसकी प्रॉपर्टी होती है। राष्ट्र ही उसका स्वाभिमान होता है।

सिवान में महिलाओं को देख मंच से भड़के नीतिश कुमार

मुख्यमंत्री बोले-कहां भाग रही हो, सुनोगी तभी तो जानोगी

सिवान (एजेंसी)। सिवान में समृद्धि यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री नीतिश कुमार का अंदाज उस वक्त बदला हुआ दिखा, जब कार्यक्रम के बीच कुछ महिलाएं मंच के सामने से जाने लगीं। मुख्यमंत्री ने माइक संभालते हुए साफ शब्दों में कहा, कहां भाग रही हो तुमलोग, सुनोगी तभी ना जानोगी। उनके इस बयान के बाद पंडाल में मौजूद लोग ठहर गए और पूरा ध्यान मंच की ओर केंद्रित हो गया।

मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि 2005 में जब उनकी सरकार बनी, तब बिहार की हालत बेहद खराब थी। लोग शाम ढलते ही घरों से बाहर निकलने से डरते थे। सड़कें जर्जर थीं, शिक्षा और स्वास्थ्य की व्यवस्था बदहाल थी।

- **सिवान को मिली विकास योजनाओं की सौगात**- सीएम ने बताया कि सिवान जिले में कई महत्वपूर्ण काम पूरे हो चुके हैं और कई योजनाओं का शिलान्यास किया गया है। आरओबी निर्माण समेत औद्योगिक क्षेत्र के विकास पर काम चल रहा है। उन्होंने कहा कि अगले पांच वर्षों में बिहार और तेज गति से विकास करेगा। उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने मंच से कहा कि उत्तर प्रदेश में राम मंदिर बन चुका है और अब बिहार में माता सीता का मंदिर बन रहा है। उन्होंने नीतिश कुमार को बिहार को बदलने वाला नेता बताया और कहा कि सिवान की जनता ने प्रचंड बहुमत देकर एनडीए पर भरोसा जताया है।

भोपाल का तापमान

अधिकतम 20 °c

न्यूनतम 18°c

सुबह सवेरे

भोपाल ■ शुक्रवार, 23 जनवरी 2026

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

कांग्रेस सांसद शक्ति सिंह के भतीजे ने पत्नी को मारी गोली

● एंबुलेंस टीम की मौजूदगी में खुद को भी गोली मारी, 2 महीने पहले शादी हुई थी

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात से कांग्रेस के राज्यसभा सांसद शक्ति सिंह गोहिल के भतीजे यशराज सिंह गोहिल ने पत्नी की गले में गोली लगने से हुई मौत के बाद आत्महत्या कर ली। यशराज की शादी दो महीने पहले ही हुई थी। पुलिस के मुताबिक यशराज ने बुधवार रात 11.45 बजे 108 पर कॉल करके एंबुलेंस को बुलाया था। कॉल में यशराज ने पत्नी राजेश्वरी के घायल होने की बात कही थी। मौके पर पहुंची मेडिकल टीम ने राजेश्वरी को मृत घोषित कर दिया। इससे पहले यशराज ने एंबुलेंस टीम को बताया कि उससे लाइसेंसी पिस्टल से गलती से गोली चल गई थी, जो सीधे पत्नी के गले में जा लगी। मेडिकल टीम जब राजेश्वरी का शव एंबुलेंस में रखने के लिए बाहर गई, तभी यशराज ने कमरे में जाकर खुद को गोली मार ली। यशराज की भी मौके पर मौत हो गई थी। यशराज सिंह गुजरात समुद्री बोर्ड में अधिकारी के पद पर कार्यरत थे। उन्हें हाल ही में क्लास 2 से क्लास 1 अधिकारी के रूप में प्रमोट किया गया था। मामले की जांच शुरू हो गई है।

मुंबई समेत 15 नगर निगम में होंगी महिला महापौर

● लॉटरी सिस्टम से हुआ निर्णय, परभणी निगम में विवाद ● उद्धव गुट का बड़ा आरोप-बीएमसी के लिए नियम बदले

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के 29 नगर निगमों में से मुंबई समेत 15 में महिलाएं मेयर होंगी। गुरुवार को मुंबई में लॉटरी सिस्टम से इन्हें चुना गया। परभणी नगर निगम पर महिला महापौर को लेकर आपत्ति दर्ज की गई है। लॉटरी सिस्टम पर शिवसेना नेता और मुंबई की पूर्व मेयर किशोरी पेडनेकर ने विरोध किया। उन्होंने दावा किया कि यह फैसला लेने के नियम बिना किसी को बताए बदल दिए गए। पिछले दो मेयर सामान्य वर्ग के थे, इसलिए नई मेयर अन्य पिछड़ा वर्ग या अनुसूचित जनजाति वर्ग से होना चाहिए था। 29 में से 12 सीटें एससी, एसटी, ओबीसी कैटेगरी के लिए आरक्षित की गई हैं, जबकि 17 सीटें सामान्य वर्ग के लिए हैं। शिंदे के गढ़ ठाणे में महापौर एससी कैटेगरी का होगा। मुंबई में 8वीं बार महिला को यह पद मिलेगा। इससे पहले किशोरी पेडनेकर मेयर थीं। इन नगर निगमों में 15 जनवरी को मतदान हुआ था और रिजल्ट 16 जनवरी को आया था। मेयर के लिए कैटेगरी रिजर्वेशन के बाद तय तारीख पर उम्मीदवार पर्चा भरेंगे। तारीख का ऐलान बाद में किया जाएगा।

ट्रम्प का यू-टर्न, ईयू पर नहीं लगाएंगे 10 फीसदी टैरिफ

● ग्रीनलैंड समझौते पर नाटो चीफ के साथ की बातचीत

कहा-डील की जानकारी बहुत जल्द पब्लिक करूंगा

दावोस (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प यूरोपीय देशों पर 10 फीसदी टैरिफ लगाने से पीछे हट गए हैं। ये टैरिफ 1 फरवरी

से लगने वाले थे। ट्रम्प ने बुधवार को कहा कि उन्होंने दावोस में नाटो चीफ जनरल मार्क रुट के साथ बातचीत के बाद यह फैसला लिया। ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर लिखा कि उनकी नाटो चीफ के साथ ग्रीनलैंड को लेकर होने वाले समझौते की बुनियादी बातें तय हो गई हैं।

अगर यह समझौता पूरा होता है, तो यह अमेरिका और ईयू के सभी देशों के लिए फायदेमंद होगा। ट्रम्प ने कहा कि अमेरिका, ईयू और दूसरे देश मिलकर पूरे आर्कटिक क्षेत्र की सुरक्षा पर काम करेंगे, जिसमें ग्रीनलैंड भी शामिल रहेगा। हालांकि ट्रम्प ने इस समझौते की पूरी जानकारी देने से मना कर दिया। उन्होंने कहा कि मामला थोड़ा मुश्किल है और इसकी पूरी जानकारी बाद में दी जाएगी। ट्रम्प और नाटो के बीच ग्रीनलैंड फ्रेमवर्क के तहत कई बिंदुओं पर सहमति बनी है।

बेटी को जेईई का पेपर दिलाने जा रहे थे दंपती, तीनों के ऊपर से गुजर गया पहिया

डंपर ने परिवार को कुचला पति-पत्नी और बेटी की मौत

ग्वालियर (नप्र)। ग्वालियर में बाइक सवार पति-पत्नी और उनकी 18 वर्षीय बेटी को तेज रफ्तार डंपर ने पीछे से आकर रौंद दिया। इसके बाद डंपर का पहिया तीनों के ऊपर से गुजर गया। हादसे में तीनों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसा गुरुवार दोपहर रतवाई बिजौली थाना क्षेत्र का है। परिवार जालौन यूपी का था।

दंपती बेटी को जेईई मैन का एंट्रेंस एग्जाम दिलाने जा रहे थे। परीक्षा केंद्र से वह 100 मीटर आगे निकल गए थे। लौटते समय यह हादसा हुआ है। मृतकों की पहचान 45 वर्षीय चन्द्रपाल जाटव, 40 वर्षीय राजेशी जाटव, उनकी बेटी 18 वर्षीय अर्पिता जाटव के रूप में हुई है।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस

मौके पर पहुंची और शवों को निगरानी में लेकर पोस्टमॉर्ट्म हाउस पहुंचा दिया है। अभी तीनों शवों को डेड हाउस में रखवा दिया गया है।

जम्मू कश्मीर के डोडा में बड़ा हादसा

● 200 फिट गहरी खाई में गिरी सेना की गाड़ी

● 10 जवानों की हो गई मौत, 21 लोग सवार थे

● 11 घायलों को एयरलिफ्ट किया गया, हुए भर्ती

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू कश्मीर के डोडा जिले में गुरुवार को एक सेना की गाड़ी 200 फीट गहरी खाई में गिर गई। हादसे में 10 जवानों की मौत हो गई है। सेना के अधिकारी ने बताया कि गाड़ी में 21 जवान सवार थे।

गंभीर रूप से 11 घायलों को उधमपुर मिलिट्री हॉस्पिटल के लिए एयरलिफ्ट किया गया है। अधिकारी के मुताबिक यह हादसा भद्रवाह-चंबा इंटरस्टेट रोड पर खन्नी टॉप पर हुआ। सभी जवान एक ऊपरी इलाके में

स्थित पोस्ट पर जा रहे थे, तभी ड्राइवर ने गाड़ी से कंट्रोल खो दिया। यह हादसा भद्रवाह-चंबा अंतरराज्यीय मार्ग पर खन्नी टॉप के पास हुआ। गुरुवार को सेना के जवान एक ऊंचाई पर स्थित चौकी की ओर जा रहे थे। अधिकारियों ने बताया कि अचानक से चालक ने वाहन से नियंत्रण खो दिया। इसके बाद गाड़ी बेकाबू होकर नीचे खाई में जा गिरा।

उप राज्यपाल मनोज सिन्हा ने हादसे पर जताया शोक- उप राज्यपाल मनोज सिन्हा ने डोडा सड़क हादसे में 10 जवानों के बलिदानी होने पर शोक जताया है। उन्होंने एक्स पर पोस्ट शेयर करते हुए कहा कि डोडा में एक दुखद सड़क हादसे में हमारे 10 बहादुर भारतीय सेना के जवानों की जान जाने से बहुत दुख हुआ। हम अपने बहादुर सैनिकों की बेहतरीन सेवा और सर्वोच्च बलिदान को हमेशा याद रखेंगे। शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं।

डिफेंस प्रोडक्शन में भारत की ऐतिहासिक छलांग

तेजी से बढ़ रहा है निर्यात, आयात हुआ काफी कम

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने वित्त वर्ष 2024-25 में 1.54 लाख करोड़ रुपये के रक्षा उत्पादन के साथ रक्षा क्षेत्र में एक नया मुकाम हासिल किया है, जो देश का अब तक का सबसे उच्च रक्षा उत्पादन है। यह स्वदेशी रक्षा उत्पादन में महत्वपूर्ण छलांग है। यह सरकार की आत्मनिर्भर भारत पहल की सफलता को रेखांकित करती है। रक्षा अधिग्रहण प्रक्रिया (डीएपी 2020) और रक्षा खरीद नियमावली (डीपीएम 2025) ने रक्षा खरीद में गति, पारदर्शिता और नवाचार को बढ़ावा दिया है, जिसके चलते अब 65 प्रतिशत उपकरण देश में ही उत्पादित हो रहे हैं। इससे आयात पर निर्भरता कम हुई है। उत्तर प्रदेश और तमिलनाडु में रक्षा औद्योगिक गलियारों की स्थापना से 9,000 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश होगा।

छग के बलौदाबाजार के प्राइवेट स्टील प्लांट में ब्लास्ट

बलौदाबाजार (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ में बलौदाबाजार जिले के बकुलाही इलाके में स्थित स्पंज आयरन प्लांट में हुए ब्लास्ट से अब तक 6 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 5 मजदूर गंभीर रूप से घायल हैं। मलबे में कुछ और लोगों के दबे होने की आशंका जताई जा रही है। शुरुआती जांच में ये सामने आया है कि प्लांट में धमाका किसी तकनीकी खराबी या दबाव के कारण हुआ है। फिलहाल टीम जांच कर रही है। विस्फोट प्लांट की कोल भट्टी (कोल किल्न) में गुरुवार सुबह करीब 9.40 बजे हुआ। डस्ट सेटलिंग चैंबर में ब्लास्ट के दौरान गर्म कोयला और मलबा नीचे काम कर रहे मजदूरों पर गिरा, जिससे कई लोग झुलस गए। धमाके के बाद दूर तक धुएं का गुबार दिखा।

धर्म की आड़ में सनातन को बदनाम करने की साजिश

● सीएम योगी बोले-ऐसे लोगों से रहें सतर्क, चेतावनी भी दी

बयान को स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद विवाद से जोड़ा जा रहा

सोनीपत (एजेंसी)। शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरा नंद सरस्वती और यूपी सरकार के बीच विवाद अब नए मोड़ पर पहुंच गया है। मौनी अमावस्या के दौरान स्नान को लेकर शुरू हुए विवाद के बाद अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती यागराज माघ मेले में ही धरने पर बैठे हैं और प्रशासन से उनकी लड़ाई जारी है। अविमुक्तेश्वरानंद ने योगी आदित्यनाथ को सनातन के लिए औरंगजेब से बुरा बताते हुए आलोचना की थी। इसके जवाब में योगी आदित्यनाथ ने कहा कि संत के लिए धर्म से बढ़कर कुछ नहीं हैं। सन्यासी के लिए धर्म और राष्ट्र सर्वोपरि होते हैं। उसकी व्यक्तिगत प्रॉपर्टी भी

कुछ नहीं होती। धर्म ही उसकी प्रॉपर्टी होती है। राष्ट्र ही उसका स्वाभिमान होता है। कई कालनेमि धर्म की आड़ लेकर सनातन को कमजोर कर रहे हैं। धर्म के खिलाफ आचरण करने वाला सनातन परंपरा का प्रतिनिधि नहीं हो सकता है। अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती की ओर से योगी आदित्यनाथ को औरंगजेब बताने से शंकराचार्य का विवाद और गहरा गया है। हरियाणा के सोनीपत में योगी आदित्यनाथ ने अब नाम लिए बगैर अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती पर जवाबी हमला किया है। सीएम योगी ने कहा कि धर्म केवल वेश या शब्दों में नहीं, बल्कि आचरण में दिखाई देना चाहिए। सनातन को कमजोर करने वालों कालनेमि बता दिया।

हरियाणा और मुरथल के लोगों की प्रशंसा कर भरा जोश- सीएम योगी ने कहा, मुरथल में एक संत ने मांसाहार न खाने का संकल्प दिलाया, आज यहां कोई माहांसार नहीं बेचता, यह संत का आशीर्वाद है, इसलिए यहां नागेवाला धाम बन गया, यह आध्यत्मिक ऊर्जा का तेज है, नशा नाश का कारण है, नशा नहीं होने देंगे, यह संकल्प लें। देश का दुश्मन जब कोई षड्यंत्र नहीं कर पा रहा तो वह युवाओं को खराब कर नशे का जाल फैलाता है, हम यह नहीं होने देंगे। सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ अभियान चलाना चाहिए, धर्म केवल उपासना विधि नहीं है, इसे थोपा नहीं जाता है। मुख्यमंत्री ने कहा, अच्छा करेंगे तो पुण्य मिलेगा और उन पर कोई डकैती नहीं डाल पाएगा।

सीवान में नीतिश की सभा से थोड़ी दूर पर ब्लास्ट

सीवान (एजेंसी)। सीवान में सीएम नीतिश की सभा से थोड़ी दूर पर ब्लास्ट हुआ है। ये धमाका पटाखा बनाने के दौरान एक घर में हुआ। इसमें एक की मौत हुई है। धमाके की आवाज 2 किमी दूर तक सुनी गई। धमाका इतना जोरदार था कि मरने वाले का सिर और पैर 20 फीट दूर जाकर गिरा। धड़ के भी चिथड़े उड़ गए हैं। मृतक की पहचान बड़रम गांव के जाल बदर के 50 साल के मुर्तुजा मंसूरी के रूप में हुई है। ब्लास्ट की सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची है। घायलों को अस्पताल पहुंचाया जा रहा है। धमाके की वजह से घर भी गिर गया है। ये धमाका हुसैनगंज थाना इलाके में बडरम गांव में हुआ है।

'वीबी राम जी' जुमला है, गरीबों के हक पर हमला है

● राहुल बोले, मनरेगा बचाओ सम्मेनल में सिर पर गमछा बांधा

कंधे पर कुदाल भी रखी, खरगे के साथ पौधे में मिट्टी डाली

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को नई दिल्ली में कहा कि वे वीबी-राम-जी बिल के बारे में नहीं जानते। उन्होंने कहा, 'वीबी-राम-जी' जुमला है, गरीबों के हक पर हमला है। राहुल ने गरीबों से अपील की कि वे इस नए बिल के विरोध में एकजुट हों। राहुल रचनात्मक कांग्रेस के राष्ट्रीय मनरेगा श्रमिक सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। सम्मेलन में राहुल और खड़गे ने सिर पर गमछा बांधा, कंधे पर कुदाल रखी और देशभर से मजदूरों की लाई मिट्टी पौधों में डाली। सम्मेलन में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने गुरुवार को आरोप लगाया कि

सरकार का मनरेगा को निरस्त करना महात्मा गांधी के नाम को लोगों की स्मृति से मिटाने की कोशिश है। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी संसद के आगामी बजट सत्र में इस मुद्दे को मजबूती से उठाएगी। राहुल ने कहा कि मनरेगा गरीबों को अधिकार देने के लिए लाई गई योजना थी। इसका उद्देश्य जरूरतमंदों को काम देना था। यह योजना सरकार के तीसरे स्तर यानी पंचायती राज के माध्यम से चलाई जानी थी। अधिकार शब्द महत्वपूर्ण था।

कांग्रेस देशभर में कर रही है बिल का विरोध- सम्मेलन में देश भर के श्रमिकों ने भाग लिया और अपने कार्यस्थलों से मुट्ठी भर मिट्टी लाकर खड़गे और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की उपस्थिति में प्रतीकात्मक रूप से पौधों में डाली। कांग्रेस ने 10 जनवरी को यूपीए सरकार के महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) को निरस्त किए जाने के विरोध में 45 दिनी राष्ट्रव्यापी अभियान मनरेगा बचाओ संग्राम की शुरुआत की थी। विपक्षी दल विकसित भारत – रोजगार आजीविका मिशन (ग्रामीण) गारंटी अधिनियम को वापस लेने और मनरेगा को उसके मूल स्वरूप में, यानी काम करने के अधिकार और पंचायतों के अधिकार को बरकरार रखते हुए,एक कानून के रूप में बहाल करने की मांग की।

एक करोड़ का ईनामी समेत 11 नक्सली ढेर

● सारंडा जंगल में सर्च ऑपरेशन के दौरान बड़ा एनकाउंटर

पुलिस, कोबरा बटालियन और सेंट्रल फोर्स हुए शामिल

चाईबासा (एजेंसी)। झारखंड में मुठभेड़ में 11 से ज्यादा नक्सली ढेर हुए हैं। पश्चिमी सिंहभूम जिले के सारंडा जंगल में गुरुवार सुबह से सुरक्षाबलों और भाकपा (माओवादी) नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई। हालांकि अभी इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। गुरुवार तड़के मुठभेड़ शुरू हुई। आसपास का इलाका गोलियों की आवाज से गूंज उठा। जानकारी के मुताबिक झारखंड पुलिस, कोबरा और सेंट्रल पुलिस फोर्स के जवानों की सर्चिंग के दौरान 1 करोड़ के इनामी नक्सली अनल दा के दस्ते के साथ मुठभेड़ हुई। उसके दस्ते में 14 से अधिक

नक्सली हैं। लगातार हो रही मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने 11 से अधिक नक्सलियों को मार गिराया है। बताया जा रहा है कि एक करोड़ के इनामी नक्सली अनल दा भी मारा गया है। हालांकि, इसके मारे जाने की आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। **एंटी नक्सल ऑपरेशन के दौरान मुठभेड़-** सुरक्षाबल नक्सल विरोधी अभियान के तहत सारंडा के घने जंगलों में सर्च ऑपरेशन चला रहे थे। इसी दौरान जंगल में पहले से घात लगाए बैठे नक्सलियों ने अचानक फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में सुरक्षाबलों ने भी मोर्चा संभाल लिया, जिसके बाद मुठभेड़ तेज हो गई। सारंडा का इलाका दुर्गम पहाड़ियों और घने जंगलों से घिरा हुआ है, जहां नक्सलियों की लंबे समय से गतिविधियां रही हैं। जंगल के भीतर बड़े पैमाने पर सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। पूरे क्षेत्र को चारों ओर से घेर लिया।

● **50 लाख का ईनामी नक्सली कमांडर ढेर-** कोल्हान प्रमंडल के एसपी अनुरंजन किस्पोट्टा ने मुठभेड़ की पुष्टि करते हुए बताया कि सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ चल रही है। ऑपरेशन पूरा होने के बाद ही विस्तृत जानकारी साझा की जाएगी। सूत्रों की माने तो मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने 50 लाख रुपए के ईनामी एक बड़े नक्सली कमांडर को भी मार गिराया है। हालांकि इस दावे पर भी अब तक मुहर नहीं लगी है। एक करोड़ का इनामी अनल दा उर्फ तूफान का असली नाम पतिराम मांझी उर्फ पतिराम मरांडी उर्फ रमेश था। वो गिरिडीह जिले के पीरटांड थाना इलाके के झरहाबाले गांव का रहने वाला था। उसके पिता का नाम टोटो मरांडी था।

शिवराज सिंह चौहान ने पोती का नाम रखा इला, खुद बताया इसका मतलब

भोपाल (नप्र)। कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान दादा बन गए हैं। उनकी बड़ी बहू ने बेटी इला को जन्म दिया है। जन्म के साथ ही पोती का नामकरण हो गया। उसके जन्म पर शिवराज सिंह ने एक पौधा लगाया है। साथ ही इला के नाम का मतलब भी बताया है। पोती के आगमन के बाद चौहान परिवार में खुशी की लहर है।

इला का मतलब क्या है

शिवराज सिंह चौहान जहां भी होते हैं, हर दिन पौधारोपण करते हैं। भोपाल में पोती के जन्म की खुशी में उन्होंने पौधारोपण किया है। इस दौरान शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि ऐसे तो मैं पेड़ रोज लगाता हूं लेकिन ये पेड़ अपनी बेटी इला के शुभ आगमन पर लगाया है। इला का मतलब धरती होता है। पृथ्वी, जो सबका ध्यान रखती है। यह वट वृक्ष कई पक्षियों, जीव-जंतु और कीट पतंगों को नया जीवन प्रदान करता है। शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि पृथ्वी तो सबको आश्रय देती है। अपनी बेटी इला हमेशा सुखी रहे। उदेश्यपूर्ण और सार्थक जीवन जिए इसके लिए शुभकामनाएं।

कार्तिकेय-अमानत की बेटी है इला

दरअसल, शिवराज सिंह चौहान के बड़े बेटे का नाम कार्तिकेय है। उनकी शादी मार्च 2025 में अमानत बंसल के साथ ही हुई थी। अमानत ने इला को जन्म को दिया है। जन्म के बाद इला को पहली बार कार्तिकेय के गोद में दिया गया तो उनकी खुशी देखते बन रही थी। वह लगातार अपनी बेटी को चूम रहे थे। वहीं, केंद्रीय मंत्री इस मौके पर गायत्री मंत्र का पाठ कर रहे थे। खुशी के इस मौके पर पूरा चौहान परिवार वहां उपस्थित था। गौरतलब है कि इस शुभ अवसर पर शिवराज सिंह चौहान ने यह भी कहा था कि 2025 में हमारे घर दो बेटियां आई थीं। अब 2026 में भी लाड़ली लक्ष्मी का आगमन हुआ है। शिवराज सिंह चौहान ने सीएम रहते हुए मध्य प्रदेश की बेटियों के लिए लाडली लक्ष्मी योजना की शुरुआत की थी।

बिजली के स्मार्ट मीटर जबरन लगाने के खिलाफ भाकपा का प्रदर्शन आज

भोपाल (नप्र)। बिजली के स्मार्ट मीटर जबरन लगाने,बिजली की दरों में एकरूपता नहीं होने के खिलाफ और मध्य प्रदेश विद्युत मण्डल पुनः स्थापित करने की मांग को लेकर भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी द्वारा 23 जनवरी को राज्य व्यापी प्रदर्शन किया जाएगा । भोपाल में 23 जनवरी को पूर्वान्ह 11.30 बजे स्थानीय इतवारा क्षेत्र में ट्रांसपोर्ट हम्माल मजदूर सभा के कार्यालय के सामने प्रदर्शन किया जाएगा। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के मध्य प्रदेश राज्य सचिव कॉमरेड शैलेन्द्र शैली ने यहां जारी विज्ञप्ति में बताया कि मध्य प्रदेश के जिला मुख्यालयों में भाकपा द्वारा प्रदर्शन कर मुख्य मंत्री के लिए ज्ञापन स्थानीय जिला कलेक्टर को सौंपा जाएगा। भाकपा ने बिजली सेवाओं में निजीकरण समाप्त कर पूर्व में स्थापित मध्य प्रदेश विद्युत मण्डल पुनः शुरू करने की मांग की है।

वरिष्ठ पत्रकार ललित श्रीवास्तव का निधन

भोपाल । वरिष्ठ पत्रकार ललित श्रीवास्तव का हजेला अस्पताल में देहावसान हो गया। उनकी अंत्येष्टि आज 23 जनवरी को होगी। वे 71 वर्ष के थे। वे लम्बे समय से अनेक बीमारियों से पीड़ित थे। उनके परिवार में दो पुत्रियाँ और एक पुत्र है। पत्नी का पूर्व में निधन हो चुका है। ललित जी ने पत्रकारिता का संघर्षशील जीवन जीया। अनेक पत्रकारों ने उन्हें श्रद्धांजलि दी है।

लोकभवन 25 जनवरी से आमजन के लिए खुलेगा

कुशाभाऊ ठाकरे सभागार परिसर में होगी पार्किंग, प्रवेश गेट नंबर 1 से

भोपाल (नप्र)। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल के निर्देशानुसार लोकतंत्र के महापर्व गणतंत्र दिवस के पावन अवसर पर 25 जनवरी से लोकभवन आमजनों के लिए खोला जा रहा है। नागरिक 25 जनवरी से 27 जनवरी 2026 तक निर्धारित समयावधि में लोकभवन का भ्रमण कर सकेंगे।

राज्यपाल के प्रमुख सचिव डॉ. नवनीत मोहन कोठारी ने बताया कि लोकभवन 25 जनवरी एवं 27 जनवरी 2026 को दोपहर 2 बजे से सायं 8 बजे तक आम नागरिकों के लिए खुला रहेगा। 26 जनवरी 2026 गणतंत्र दिवस के दिन, लोकभवन भ्रमण का समय प्रातः 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक निर्धारित किया गया है। उन्होंने बताया कि लोकभवन भ्रमण के लिए आने वाले नागरिक कुशाभाऊ ठाकरे सभागार परिसर में वाहन पार्किंग कर सकेंगे। लोकभवन में प्रवेश गेट क्रमांक-1 से होगा और निकास गेट क्रमांक- 4 से होगा। भ्रमण के समस्त रूट में आमजन लोकभवन की ऐतिहासिकता, सजावट और प्रदर्शनी का अवलोकन करेंगे।

राज्यपाल के प्रमुख सचिव डॉ. नवनीत मोहन कोठारी ने बताया कि इस अवसर पर केन्द्रीय संचार ब्यूरो द्वारा वीबी-जी रामजी योजना तथा वंदे भारत थीम पर आधारित विशेष आकर्षक प्रदर्शनी लगाई जाएगी। तीनों दिन केन्द्रीय संचार ब्यूरों के सांस्कृतिक दलों द्वारा विभिन्न प्रस्तुतियां दी जाएंगी। इसी प्रकार मध्यप्रदेश शासन के जनसंपर्क विभाग द्वारा राजभवन से लोकभवन विषय पर विशेष प्रदर्शनी का आयोजन किया जाएगा, जिसमें लोकभवन की ऐतिहासिक, लोकतांत्रिक और प्रशासनिक यात्रा को रोचक रूप में प्रस्तुत किया जाएगा। साथ ही लघु फिल्मों का प्रदर्शन भी किया जाएगा।

प्रदेश में मावठा-कोहरे के बाद फिर तेज सर्दी

25 जनवरी से पारा 2-3 डिग्री लुढ़केगा, आज उत्तरी हिस्से में बारिश का अलर्ट

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश में मावठा गिरने और कोहरा छाने के बाद तेज सर्दी पड़ेगी। आईएमडी (मौसम केंद्र) भोपाल के मुताबिक, गुरुवार को ग्वालियर-दतिया समेत 5 जिलों में मध्यम कोहरा रहा, जबकि शुक्रवार को उत्तरी हिस्से में बारिश भी होगी। वहीं, 25 जनवरी से न्यूनतम तापमान में 2 से 3 डिग्री की गिरावट होगी।

बता दें कि पश्चिम-उत्तर भारत और यूपी के ऊपर दो साइक्लोनिक सकुर्लेशन (चक्रवात) एक्टिव है। एक वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) का असर भी है। ये सिस्टम आगे बढ़ रहे हैं। इस वजह से उत्तरप्रदेश, बिहार समेत कई राज्यों में मौसम बदला है। ये सिस्टम 24 जनवरी से मध्यप्रदेश में भी असर दिखाएंगे। इस दिन बादल छाने के साथ हल्की बारिश हो सकती है, लेकिन 23 जनवरी को 7 जिलों में बारिश होने के आसार है। इनमें ग्वालियर, मुरैना, भिंड, दतिया, निवाड़ी, टीकमगढ़ और छतरपुर जिले शामिल हैं।

सिस्टम आगे बढ़ेंगे तो पारे में गिरावट होगी- मौसम विभाग के अनुसार, जब ये सिस्टम आगे बढ़ेंगे तो न्यूनतम तापमान में गिरावट होगी। पारा 2 से 3 डिग्री तक लुढ़क जाएगा।

उत्तरी हिस्से में कोहरे का असर- फिलहाल उत्तरी हिस्से में कोहरे का असर है। गुरुवार सुबह ग्वालियर, दतिया, निवाड़ी, टीकमगढ़ और छतरपुर में मध्यम कोहरा रहा। भोपाल, इंदौर, उज्जैन समेत कई जिलों में हल्के कोहरे का असर देखने को मिला।

मंदसौर सबसे ठंडा, राजगढ़-छतरपुर में भी सर्दी का असर- प्रदेश में ठंड का असर भी है। मंगलवार-बुधवार की रात में मंदसौर सबसे ठंडा रहा। यहां न्यूनतम तापमान 5.1 डिग्री दर्ज किया गया। राजगढ़ में 6.2 डिग्री, नौगांव में 7 डिग्री, शाजापुर में 7.1 डिग्री, कटनी के करौंदी में 7.6 डिग्री, दतिया में 7.9 डिग्री, खजुराहो में 8 डिग्री, रीवा में 8.2 डिग्री, शिवपुरी में 9 डिग्री और पचमढ़ी में पारा 9.2 डिग्री सेल्सियस रहा।

प्रदेश के 5 बड़े शहरों की बात करें तो ग्वालियर में सबसे कम 9 डिग्री रहा। भोपाल में 10.8 डिग्री, इंदौर में 12.2 डिग्री, उज्जैन में 12 डिग्री और जबलपुर में तापमान 12.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

10 दिन में 11 लाख वोटर्स को हटाने की दरख्वास्त

कांग्रेस का आरोप- पहले से छपे फार्म में आवेदकों के नाम नहीं, ईसी पहुंचे पीसीसी चीफ

भोपाल (नप्र)। मध्य प्रदेश में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) के तहत वोटर लिस्ट में नाम जोड़ने, काटने और सुधार की प्रक्रिया का 23 जनवरी आखिरी दिन है। इसी बीच कांग्रेस ने इस पूरी प्रक्रिया पर गंभीर सवाल उठाते हुए बीजेपी पर सुनियोजित तरीके से वोटर लिस्ट से नाम कटवाने की साजिश का आरोप लगाया है।

कांग्रेस का दावा है कि सिर्फ 10 दिनों में करीब 11 लाख वोटरों के नाम काटने के लिए भारतीय जनता पार्टी द्वारा बूथ लेवल ऑफिसर्स (बीएलओ) को बड़े पैमाने पर फॉर्म-7 उपलब्ध कराए गए हैं। आरोप है कि इन फॉर्मों का इस्तेमाल विशेष रूप से एससी, एसटी, अल्पसंख्यक और कांग्रेस के परंपरागत वोट बैंक को मतदाता सूची से बाहर करने के लिए किया जा रहा है।

प्री-प्रिंटेड फॉर्म-7 पर सवाल

कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि जिन फॉर्म-7 के जरिए वोटर के नाम हटाने की प्रक्रिया चल रही है, वे प्री-प्रिंटेड (पहले से भरे हुए) हैं। इन फॉर्मों में विधानसभा क्रमांक, विधानसभा का नाम, जिस मतदाता का नाम हटाना है, उसका नाम और विवरण पहले से दर्ज है।

चौंकाने वाली बात यह है कि आवेदन देने वाले व्यक्ति का नाम नहीं है किसी भी आवेदक के हस्ताक्षर नहीं हैं। कांग्रेस का कहना है कि यह न सिर्फ चुनाव आयोग की प्रक्रिया का उल्लंघन है, बल्कि लोकतंत्र की जड़ों पर सीधा हमला है।

कांग्रेस ने की चुनाव आयोग से कार्रवाई की मांग

- सभी प्री-प्रिंटेड फॉर्म-7 की तुरंत जांच कराई जाए।
- बिना वैध आवेदन और हस्ताक्षर वाले फॉर्मों को निरस्त किया जाए।
- दोषी अधिकारियों और राजनीतिक संरक्षण देने वालों पर कड़ी कार्रवाई हो।
- कांग्रेस का कहना है कि यह मामला सिर्फ राजनीति का नहीं, बल्कि संविधान और मताधिकार की रक्षा का है।

एक व्यक्ति ने दी 25-25 आपत्तियां

पटवारी ने आरोप लगाया कि नियमों के अनुसार फॉर्म-7 के तहत एक व्यक्ति केवल एक ही आपत्ति दर्ज करा सकता है, लेकिन भाजपा कार्यकर्ताओं ने एक-एक व्यक्ति द्वारा 25-25 आपत्तियां दर्ज कराई हैं। उन्होंने कहा कि इसके प्रमाण निर्वाचन आयोग को सौंप दिए गए हैं।

जीतू पटवारी ने चुनाव आयोग पर उठाए सवाल

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने इस पूरे मामले को लेकर बीजेपी और चुनाव आयोग पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा- बीजेपी चुनाव हारने के डर से अब मैदान में नहीं, बल्कि वोटर लिस्ट में खेल कर रही है। बिना आवेदक के नाम और हस्ताक्षर वाले प्री-प्रिंटेड फॉर्म-7 लोकतंत्र की हत्या का प्रमाण हैं। एससी, एसटी, अल्पसंख्यक और गरीब वर्ग के मताधिकार को छीनने की यह एक सोची-समझी साजिश है। जीतू पटवारी ने आगे कहा- अगर चुनाव आयोग ने तत्काल हस्तक्षेप नहीं किया, तो कांग्रेस सड़कों से लेकर न्यायालय तक इस मुद्दे को ले जाएगी। हम एक भी मतदाता का नाम गलत तरीके से कटने नहीं देंगे।

आरजीपीवी गर्ल्स हॉस्टल में छात्रा का सुसाइड

स्टाफ से बहस के बाद कमरे से नहीं निकली दुपट्टे से फंदा बनाकर फांसी लगाई

भोपाल (नप्र)। भोपाल के आरजीपीवी गर्ल्स हॉस्टल गांधी नगर में बीटेक फर्स्ट ईयर की छात्रा ने फांसी लगाकर सुसाइड कर लिया। बताया जा रहा है कि हॉस्टल की एक महिला स्टाफ और छात्रा के बीच नोक-झोंक हुई थी। इसके बाद ये घटना हुई।

पुलिस और एफएसएल की टीम मौके पर मौजूद है। शव को फंदे से उतारकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। छात्रा के पास से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस का कहना है कि परिजन और साथियों के डिटेल बयान और पीएम रिपोर्ट मिलने के बाद ही आगे की कार्रवाई तय की जाएगी।

छात्राओं ने दी थी हॉस्टल स्टाफ को सूचना- एसआई कन्हैयालाल यादव ने बताया कि सव्याश्री मुनागला (19) धार जिले की रहने वाली थी। भोपाल के आरजीजीवी कॉलेज से बीटेक कम्प्यूटर साइंस एंड बिजनेस सिस्टम की पढ़ाई कर रही थी। वह कॉलेज कैंपस में ही बने गर्ल्स हॉस्टल में रहती थी। बुधवार रात डिनर के बाद रूम में गई थी। आज दोपहर तक बाहर नहीं निकली तब साथी छात्राओं ने हॉस्टल स्टाफ को सूचना दी।

एफएसएल टीम ने कमरे की सर्चिंग की- वार्डन चेक करने के लिए छात्रा के कमरे तक पहुंची। काफी आवाजें देने पर भी जब अंदर से जवाब नहीं मिला तो पुलिस को सूचना दी गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने गेट खुलवाया। अंदर छात्रा दुपट्टे से बने फंदे पर लटकी हुई थी। पुलिस ने शव को नीचे उतारा और एफएसएल की टीम को मामले की सूचना दी गई।वहीं, टीआई विजेंद्र मर्सकोले ने बताया कि जब पुलिस मौके पर पहुंची तो गेट खुला हुआ था। उसका लॉक टूटा था।

परिजनों की मौजूदगी में होगा पोस्टमॉर्टम- एफएसएल टीम ने कमरे की तलाशी ली, लेकिन कमरे से सुसाइड नोट नहीं मिला। छात्रा के मोबाइल फोन और लैपटॉप को पुलिस ने कब्जे में लिया है, जिसकी जांच कराई जाएगी। पुलिस ने घटना की सूचना छात्रा के परिजनों को दी है। धार से आने पर उनकी मौजूदगी में बॉडी का पीएम कराया जाएगा। पुलिस पंचनामा कार्रवाई कर बॉडी को हमीदिया मर्चुरी भेजने की तैयारी में है।

सव्याश्री, मृतका

एक दिन की छुट्टी के बाद लौटी थी- वार्डन ने पुलिस को बताया कि छात्रा एक दिन की छुट्टी लेकर गई थी। उसने घर जाने की बात कही थी। हालांकि, वह घर नहीं गई।

छात्रा बोला- वार्डन ने प्रताड़ित किया

छात्रा के सहपाठी समीर शुक्ला ने बताया कि वार्डन मैडम ने युवक से बात करता देख सव्याश्री को फटकार लगाई थी। इस बात की चर्चा पूरे कॉलेज में थी। समीर का दावा है कि वार्डन ने इस बात की शिकायत सव्याश्री के घर में भी की थी। जिससे वह तनाव में आई और सुसाइड कर लिया। हालांकि, टीआई का कहना है कि युवक के साथ देखे जाने और वार्डन से विवाद की बात अब तक की जांच में सामने नहीं आए हैं। परिजन की मौजूदगी में डिटेल बयानों को दर्ज किया जाएगा।

भोपाल सांसद की भदभदा-रत्नागिरी मेट्रो प्रोजेक्ट पर आपत्ति

कहा- भारत माता चौराहे से लिली टॉकीज तक अंडरग्राउंड गुजरे, हकीकत-पिलर बनने शुरू हो गए

भोपाल (नप्र)। भोपाल के पुलिस कमिश्नर ऑफिस में गुरुवार को हुई सड़क यातायात समिति की बैठक में सांसद आलोक शर्मा ने भदभदा से रत्नागिरी तक मेट्रो के ब्लू लाइन प्रोजेक्ट पर आपत्ति ली। उन्होंने भारत माता चौराहे से लिली टॉकीज चौराहे तक मेट्रो का रूट अंडरग्राउंड करने की बात कही। विधायक भगवानदास सबनानी ने भी सहमति जताई। हालांकि, हकीकत ये है कि इस रूट पर काम पिछले 6 महीने से चल रहा है। पिलर भी बनने शुरू हो गए हैं। पूरा रूट एलिवेटेड है।

बैठक में शहर के व्यस्ततम रंगमहल से राजभवन वाली रोड पर ध्यान आकर्षित करते हुए सांसद शर्मा ने कहा कि यहां भोपाल मेट्रो के कई स्टेशन बन रहे हैं। इसमें भविष्य में पार्किंग की भी बहुत बड़ी समस्या आएगी। सांसद शर्मा ने मीटिंग के दौरान भोपाल मेट्रो रेल के अधिकारियों को मोबाइल पर कॉल करके भारत माता चौराहे से लेकर लिली टाकीज चौराहे तक अंडरग्राउंड मेट्रो का प्रस्ताव बनाने के लिए कहा।

इसी बीच सांसद शर्मा ने जब दक्षिण-पश्चिम विधायक सबनानी से फोन पर चर्चा कर उनकी प्रतिक्रिया जानना चाही तो उन्होंने सांसद के मंतव्य का समर्थन करते हुए कहा कि यह क्षेत्र शहर का हृदय स्थल है। यहां पर राज भवन, न्यू मार्केट, मुख्यमंत्री निवास और लालपरेड ग्राउंग सहित पूरा वीआईपी जोन प्रभावित होगा। इस पूरे क्षेत्र को सुरक्षित और सुगम बनाने के लिए अंडरग्राउंड मेट्रो ही बनना चाहिए।

13 किमी में 14 स्टेशन बनेंगे- बता दें कि भदभदा चौराहा से रत्नागिरी तिराहा के बीच करीब 13 किमी लंबे मेट्रो ट्रैक पर चलने वाली ब्लू लाइन पर कुल 1006 करोड़ रुपए खर्च होंगे। रूट पर 14 स्टेशन बनाए जाएंगे, जिनमें एक स्टेशन कुशाभाऊ ठाकरे कन्वेंशन सेंटर पर भी प्रस्तावित है।

ये स्टेशन राजभवन के ठीक सामने होगा। 14वें स्टेशन के तौर पर बोगदा पुल (इंटरचेंज) सेक्शन बनाया जा रहा है। जहां करोंद चौराहा से एम्स के बीच बनने वाली ऑरेंज लाइन और भदभदा चौराहा से रत्नागिरी तिराहा के बीच चलने वाली ब्लू लाइन का इंटरचेंज होगा। यह एक ऐसा सेक्शन होगा, जहां यात्री एक मेट्रो से उतरकर दूसरी में सवार हो सकेंगे। पुल बोगदा के पास का हिस्सा सुभाष नगर से एम्स (प्रायोरिटी ट्रैक) के पास ही है, इसलिए इंटरचेंज सेक्शन पर भी शुरू कर दिया गया है। यहां रास्ता डायवर्ट हो चुका है।

11 ब्लैक स्पॉट, 27 लेफ्ट टर्न पर भी चर्चा

सांसद शर्मा ने प्रभारी कलेक्टर संस्कृति जैन, पुलिस कमिश्नर हरिनारायण चारी मिश्रा, एडीएम सुमित कुमार पांडे, अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर अवधेश गोस्वामी सहित विभिन्न विभागों वरिष्ठ अधिकारियों के साथ सड़क यातायात समिति की चौथी बैठक की। सांसद शर्मा ने शहर के 16 ब्लैक स्पॉट, 37 लेफ्ट टर्न और 200 बिजली के पोल, डीपी की शिफ्टिंग को लेकर समीक्षा की। यातायात, पीडब्ल्यूडी और नगर निगम के अधिकारियों ने शहर के एक-एक चौराहे की प्रगति रिपोर्ट का प्रेजेंटेशन दिया और चल रही कार्रवाई के बारे में बताया। इसमें जानकारी दी गई कि 11 ब्लैक स्पॉट और 27 लेफ्ट टर्न पर निर्माण के लिए एजेंसी अनुबंध और टेंडर से संबंधित प्रक्रिया शुरू हो चुकी है।

संपादकीय

सुको का संतुलित फैसला

धार की विवादित भोजशाला व कमाल मौला मस्जिद में बसंत पंचमी पर शुक्रवार को सरस्वती पूजा हो या नमाज, इस पर सुप्रीम कोर्ट ने जो फैसला दिया है, वह संतुलित और व्यावहारिक है। क्योंकि जब तक ऐतिहासिक रूप से यह प्रमाणित नहीं हो जाता कि वहां मंदिर था या मस्जिद, हिंदू और मुस्लिम दोनों समुदायों को अपनी-अपनी धार्मिक आस्था के अनुरूप पूजा और इबादत का अधिकार है। उम्मीद की जानी चाहिए कि सर्वोच्च अदालत के इस स्पष्ट फैसले के बाद धार में बसंत पंचमी का त्यौहार शांति से गुजरेगा। इस मामले में हिंदू पक्ष चाहता था कि बसंत पंचमी के दिन केवल पूजा की इजाजत दी जाए, क्योंकि नमाज तो वहां हर जुमे को होती है। लेकिन अदालत ने इसे नहीं माना। सुप्रीम कोर्ट ने साफ कर दिया कि बसंत पंचमी की पूजा और नमाज साथ-साथ होंगे। कोर्ट ने नमाज का समय दोपहर एक से तीन बजे तक का तय किया है। साथ ही नमाज के लिए परिसर में अलग जगह और आने-जाने के लिए अलग से रास्ते बनाने का आदेश भी दिया है। नमाज के बाद परिसर खाली कर दिया जाएगा। हिंदू पक्ष चाहता था कि जुमे की नमाज शाम पांच बजे के बाद ही हो। जबकि भोजशाला में सरस्वती पूजा दोपहर 1 बजे के पहले होगी। धार का इतिहास गवाह है कि जब भी धार में यह नाजुक मोड़ आया तो धारवासियों ने आंसू गैस के गोले के कारण आंसू बहाए, पथराव और लाठीचार्ज की पीढ़ा झेली। वर्ष 2006, 2012 और 2016 की कड़वी यादें आज भी ताजा हैं। फिर वैसा न हो, सब यहीं चाहते हैं। शहर की सुरक्षा के लिए इस बार प्रशासन ने पूरी ताकत झोंक दी है। दस हजार पुलिस जवानों की मौजूदगी में धार पुलिस छावनी जैसा नजर आने लगा है। चप्पे-चप्पे पर तैनात सुरक्षा बल और आसमान में उड़ते ड्रोन कैमरे इस बात का अहसास करा रहे हैं कि शांति बनाए रखना इस समय सबसे बड़ी प्राथमिकता है। भोजशाला परिसर को छह अलग-अलग सेक्टरों में बांटकर निगरानी की जा रही है और शहर की सीमाओं को सील करने की तैयारी है, ताकि बाहर से आने वाला कोई भी व्यक्ति बिना जांच के प्रवेश न कर सके। गौरतलब है कि धार में भोजशाला का निर्माण 1010 से 1055 ईसवीं के बीच परमार वंश के राजा भोज ने करवाया था। राजा भोज की मृत्यु के 200 साल तक यहां पठन-पाठन का कार्य होता रहा। राजा भोज ने यहां देवी सरस्वती (वाग्देवी) की मूर्ति स्थापित कराई थी, जो 84 कलात्मक स्तंभों पर खड़ी थी। 1857 में एक ब्रिटिश अधिकारी यह मूर्ति इंग्लैंड ले गए। यह मूर्ति आज भी वहीं है और भारत नहीं लाई जा सकी है। इसी भोजशाला परिसर में कमाल मौला मस्जिद भी है। केंद्रीय पुरातत्व विभाग के अनुसार भोजशाला में मंगलवार को हिंदू पक्ष को पूजा-अर्चना करने की अनुमति है। शुक्रवार को मुस्लिम पक्ष को नमाज पढ़ने के लिए दोपहर 1 से 3 बजे तक प्रवेश दिया जाता है। इसके लिए दोनों पक्षों को निःशुल्क प्रवेश मिलता है। बाकी दिनों में एक रुपये का टिकट लगता है। इसके अलावा बसंत पंचमी पर सरस्वती पूजा के लिए हिंदू पक्ष को पूरे दिन पूजा और हवन करने की अनुमति है। लेकिन विवाद तब खड़ा होता है, जब बसंत पंचमी शुक्रवार को पड़ती है। यहां पूजा और नमाज को लेकर पहले भी साम्प्रदायिक तनाव होता रहा है। 2006 में तो हालात बहुत ज्यादा बिगड़ गए थे। पुलिस को बलपूर्वक हालात को संभालना पड़ा था। अब यह प्रशासन और नागरिकों की जिम्मेदारी है कि वो सुप्रीम कोर्ट के आदेश को पूरे सौहार्द्र के साथ लागू करें और शहर की फिजां को बिगड़ने न दें।

सरस्वती पूजा : परंपरा, आधुनिकता और मूल्यों के बीच संघर्ष

नजरिया

नृपेन्द्र अभिषेक नृप

लेखक स्तंभकार हैं।

सरस्वती पूजा भारतीय सांस्कृतिक परंपरा का एक अत्यंत पवित्र, सूक्ष्म और अर्थपूर्ण पर्व है। यह केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि भारतीय चेतना में रची-बसी उस जीवन-दृष्टि का प्रतीक है, जिसमें ज्ञान, विवेक वाणी, कला और संस्कार को सर्वोच्च स्थान दिया गया है। माँ सरस्वती को श्वेत वस्त्रों में विराजमान, शांत, सौम्य और करुणामयी देवी के रूप में देखा गया है, जिनके एक हाथ में वीणा है, दूसरे में पुस्तक, तीसरे में माला और चौथे में वर मुद्रा। यह स्वरूप स्वयं यह संदेश देता है कि जीवन में ज्ञान का संगीत, अध्ययन की निरंतरता, साधना का अनुशासन और विवेकपूर्ण आचरण कितना आवश्यक है। बसंत पंचमी के दिन मनाई जाने वाली सरस्वती पूजा का संबंध ऋतु परिवर्तन से भी है, जब प्रकृति नवजीवन से भर उठती है और मानव मन भी सृजन, अध्ययन और आत्मविकास की ओर प्रवृत्त होता है।

परंपरागत रूप से सरस्वती पूजा का वातावरण अत्यंत शांत, मर्यादित और सात्विक रहा है। विद्यालयों, महाविद्यालयों, गुरुकुलों और घरों में इस दिन पुस्तकों, कॉपियों, कलम, वाद्य यंत्रों और कला से जुड़े उपकरणों की पूजा की जाती रही है। विद्यार्थी माँ सरस्वती से केवल परीक्षा में सफलता नहीं, बल्कि सही विवेक, एकाग्रता और सद्बुद्धि की कामना करते रहे हैं। भजन, श्लोक, वंदना और मधुर संगीत के माध्यम से ऐसा वातावरण बनाया जाता था, जिसमें मन स्वतः ही शांति और अनुशासन की ओर झुक जाता था। यह पर्व जीवन में यह बोध कराता था कि विद्या केवल रोज़गार का साधन नहीं, बल्कि मनुष्य को मनुष्य बनाने वाली शक्ति है।

किन्तु वर्तमान समय में सरस्वती पूजा के स्वरूप में जो परिवर्तन देखने को मिल रहा है, वह गहरी चिंता का विषय है। कई स्थानों पर यह पवित्र पर्व अब शोर, प्रदर्शन और उन्माद का पर्याय बनता जा रहा है। तेज़ डीजे, कानफोड़ू आर्केस्ट्रा, फिल्मी और अश्लील गीत, तथा उन्मादी नृत्य पूजा की मूल भावना को पूरी तरह से विकृत कर रहे हैं। विद्या की देवी, जिनका स्वरूप ही शांति और संयम का प्रतीक है, उन्हीं के नाम पर जब अश्लीलता, अभद्रता और अनुशासनहीनता परोसी जाती है, तो यह केवल धार्मिक भावना को आहत करने का मामला नहीं रह जाता, बल्कि यह हमारी सांस्कृतिक चेतना के पतन का स्पष्ट संकेत बन जाता है।

इस विकृति का एक बड़ा कारण धार्मिक आयोजनों का सामाजिक दिखावे और प्रतिस्पर्धा में बदल जाना है। आज पूजा समितियों के बीच यह होड़ देखी जाती है कि कौन बड़ा पंडाल लगाएगा, किसका साउंड सिस्टम सबसे ज़्यादा तेज़ होगा और

किसकी भीड़ सबसे अधिक होगी। श्रद्धा का स्थान प्रदर्शन ने ले लिया है और साधना का स्थान शोर ने। ऐसे में पूजा का उद्देश्य पीछे छूट जाता है और आयोजन केवल मनोरंजन या शक्ति प्रदर्शन का मंच बनकर रह जाता है। इस माहौल में युवा वर्ग, जो स्वाभाविक रूप से ऊर्जा और उत्साह से भरा होता है, अक्सर बहक जाता है और मर्यादा की सीमाएँ टूटने लगती हैं।

जब धार्मिक आयोजनों में अनुशासन और स्पष्ट दिशा का अभाव होता है, तब सामाजिक अव्यवस्था जन्म लेती है। तेज़ संगीत, नशे का सेवन, उकसाने वाले गीत और भीड़ का उन्माद मिलकर कई बार झगड़े, मारपीट और हिंसा तक की स्थिति पैदा कर देते हैं। सरस्वती पूजा जैसे शैक्षिक और सांस्कृतिक पर्व पर यदि ऐसी घटनाएँ घटित हों, तो यह समाज के लिए अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। यह केवल कानून-व्यवस्था की समस्या नहीं, बल्कि नैतिक और सांस्कृतिक संकट भी है, जो धीरे-धीरे समाज की जड़ों को खोखला करता है।

इस स्थिति का सबसे गंभीर प्रभाव बच्चों और विद्यार्थियों पर पड़ता है। सरस्वती पूजा का पर्व उनके लिए विद्या, अनुशासन और संस्कार सीखने का अवसर होना चाहिए, परंतु जब वे देखते हैं कि इसी पर्व पर शोर, अश्लीलता और झगड़े हो रहे हैं, तो उनके मन में पूजा और परंपरा के प्रति सम्मान कम होने लगता है। वे यह सीखते हैं कि धार्मिक आयोजन भी केवल मनोरंजन और उन्माद का साधन हैं। यह सोच आने वाली पीढ़ी के चरित्र निर्माण के लिए अत्यंत घातक हो सकती है, क्योंकि संस्कार वही स्थायी होते हैं, जो बचपन और किशोरावस्था में मन में बैठ जाते हैं।

यह भी विचारणीय है कि माँ सरस्वती का दर्शन भारतीय दर्शन में केवल देवी-पूजा तक सीमित नहीं है। सरस्वती ज्ञान की धारा हैं, जो मनुष्य को अज्ञान के अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाती हैं। उनका वाहन हंस विवेक का प्रतीक है, जो दूध और पानी को अलग कर सकता है। ऐसे में यदि हम सरस्वती पूजा के नाम पर अविवेक, उन्माद और अराजकता को बढ़ावा देते हैं, तो यह स्वयं देवी के प्रतीकात्मक संदेश का अपमान है। यह विरोधाभास हमारी सोच और आचरण के बीच बढ़ती दूरी को उजागर करता है।

इस समस्या का समाधान केवल प्रशासनिक सख्ती से संभव नहीं है। यद्यपि ध्वनि प्रदूषण और कानून-व्यवस्था को लेकर नियम आवश्यक हैं, परंतु वास्तविक परिवर्तन सामाजिक जागरूकता और सामूहिक आत्ममंथन से ही आएगा। पूजा समितियों को यह समझना होगा कि उनका दायित्व केवल आयोजन करना नहीं, बल्कि समाज के सामने एक आदर्श प्रस्तुत करना भी है। शिक्षकों, अभिभावकों और बुद्धिजीवियों को आगे आकर यह संवाद शुरू करना होगा कि धार्मिक पर्वों का स्वरूप कैसा होना चाहिए और उनकी सीमाएँ क्या हैं।

सरस्वती पूजा को फिर से ज्ञान और संस्कृति का उत्सव बनाया जा सकता है। इस अवसर पर कवि गोष्ठियाँ, पुस्तक प्रदर्शनियाँ, वाद-विवाद प्रतियोगिताएँ, शास्त्रीय संगीत, लोक-सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ और शैक्षिक संवाद आयोजित किए जा सकते हैं। ऐसे कार्यक्रम न केवल पूजा की गरिमा बनाए रखते हैं, बल्कि युवाओं को सकारात्मक दिशा भी देते हैं। जब युवा अपनी ऊर्जा को रचनात्मक गतिविधियों में लगाते हैं, तो उन्माद और हिंसा की संभावनाएँ स्वतः कम हो जाती हैं।

युवाओं को यह समझाना भी आवश्यक है कि सच्चा उत्सव शोर और अश्लीलता में नहीं, बल्कि मर्यादा, अनुशासन और सौंदर्यबोध में निहित होता है। जीवन में आनंद और उल्लास का स्थान अवश्य है, परंतु हर अवसर की अपनी प्रकृति और सीमा होती है। सरस्वती पूजा का स्वभाव शांत, सात्त्विक और चिंतनशील है। यदि हम इस स्वभाव को समझेंगे और स्वीकार करेंगे, तभी यह पर्व हमें भीतर से समृद्ध कर पाएगा।

अब यह प्रश्न केवल सरस्वती पूजा तक सीमित नहीं है, बल्कि हमारी सांस्कृतिक दिशा और सामाजिक चेतना से जुड़ा हुआ है। यदि विद्या की देवी के नाम पर ही अविवेक और अराजकता को बढ़ावा दिया जाएगा, तो समाज ज्ञान, विवेक और संस्कार की ओर कैसे अग्रसर होगा। परंपरा और आधुनिकता के बीच संतुलन बनाए रखना आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है। आधुनिक साधनों का उपयोग हो, परंतु मूल भाव और मर्यादा सुरक्षित रहें। सरस्वती पूजा का मूल भाव शांति, ज्ञान और संयम है, और जब हम इस भाव को अपने आचरण में उतारेंगे, तभी यह पर्व अपने वास्तविक उद्देश्य को प्राप्त कर सकेगा और समाज को सही दिशा देने में सक्षम होगा।

यूरोपीय संघ और अरब देशों में मची खलबली

ट्रंप की रणनीति

डॉ. ललित कुमार

लेखक इनवर्टिस विश्वविद्यालय पत्रकारिता विभाग के विभागाध्यक्ष हैं।

अमेरिका की खुराफाती रणनीति से एक बार फिर दुनिया में वैश्विक व्यापार पर संकट का खतरा मंडराने लगा है। वेनेजुएला पर कब्जा करके अमेरिका चाहता है कि अब वह धीरे-धीरे अरब देशों में भी अपनी दखलअंदाजी करके बहुत कुछ हासिल कर लेगा, जिसके परिणाम देखने को भी मिल रहे हैं। अमेरिका की यह चाल इस बार किस करवट बैठेगी दुनिया के सभी देशों की नजर इस पर टिकी है। अमेरिका एक के बाद एक जिस तरह के कड़े फैसले लेता दिख रहा है। उससे यही अंदाजा लगाया जा सकता है कि दुनिया युद्ध के ऐसे ज्वालामुखी पर बैठा जो कभी भी फट सकता है। अमेरिका ने वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को गिरफ्तार करके दुनिया को दिखा दिया कि उसकी नजरों में छोटे देश की कोई कीमत नहीं है, यानी लोहा गरम है। डोनाल्ड ट्रंप के इन्ही फैसलों के देखते हुए इसराइल ने अमेरिका को एकदम लपक लिया है, और अरब देशों के खिलाफ खुले तौर पर उसके समर्थन में कूद पड़ा है। इसराइल के लिए ईरान इस वक्त उसका सबसे बड़ा दुश्मन है और दुश्मन के साथ जब कुछ बुरा हो तो अपने दोस्त अमेरिका के साथ मिलकर उसे नेश्तानाबुत करने के लिए अपनी स्क्रिप्ट को ओर मजबूती के साथ लिख रहा हैं। ईरान सरकार के मुखिया अयातुल्लाह अली खामेनेई के खिलाफ जो षड्यंत्र अमेरिका-इजरायल रच रहा है। उसका बुरा असर वैश्विक स्तर पर कितना होगा। इसका अंदाजा शायद उनको नही है, लेकन उनको यह भी मालूम होना चाहिए कि दोनों देशों को इसकी बहुत भारी कीमत भी चुकानी पड़ सकती है।

ईरान सरकार लगातार विरोध प्रदर्शनकारियों पर अपनी पैनी नजर बनाए हुए हैं। इस प्रदर्शन के चलते ईरान में अब तक लगभग 5000 से ज्यादा विरोध प्रदर्शनकारियों की मौत ने पूरी दुनिया में एक खलबली मचा दी है। ईरान सरकार के खिलाफ यह विरोध प्रदर्शन सड़कों से लेकर दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में देखने को मिल रहे है। जिससे ईरान सरकार की चिंता बढनी लाजमी है। इन विरोध प्रदर्शनों से मौत के साए में जीते वहां के लोग बेहद खौफज़दा है। यही कारण है कि अमेरिका इन विरोध प्रदर्शनों पर आग में घी डालने का काम कर रहा है। क्योंकि ईरान का यह संकट अब वैश्विक संकट बनता जा रहा है। अमेरिका वेनेजुएला के तेल भंडार पर अपनी नजर गडाए बैठा है। अब अमेरिका अरब देशों में इस तरह की हलचल पैदा करके माहौल को अपने पक्ष में करना चाहता है।

डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन के कड़े फैसलों के खिलाफ़ अरब देशों की एकजुटता के चलते ईरान में होने वाले प्रदर्शन की रफ्तार भले ही धीमी पड़ने लगी हो, लेकिन ईरान में जो चिंगारी भड़काई गई है उसके पीछे अमेरिका और इजराइल का एक बड़ा हाथ माना जा रहा है। ईरान सरकार मुखिया अयातुल्लाह अली खामेनेई ईरान के लोगों को भरोसा दिलाने में लगे हैं कि इन सबके पीछे अमेरिका-इजरायल ही इस खूनी साजिश को बढ़ावा दे रहे है। जिनके मंसूबों को ईरान कभी पूरा नहीं होने देगा। ईरान वेनेजुएला नही है, जो हाथ पर हाथ रखकर बैठा रहेगा। वह इसका सख्ती से जवाब देना जानता है और अमेरिका कभी भी ईरान को इराक न समझे। डोनाल्ड ट्रंप सरकार टैरिफ को ढाल बनाकर एक के बाद एक अपने दुश्मन देशों पर टैरिफ का भूत खड़ा करके उनको डराने का काम कर रही है।

हाल ही में डेनमार्क में डेनिश न्यूज़ एजेंसी के अनुसार ट्रंप डेनमार्क समेत 8 यूरोपीय देशों पर टैरिफ लगाने की घोषणा कर चुके है, जिसके बाद से पूरे यूरोपीय संघ में ट्रंप के खिलाफ गुस्सा फूट चुका है। ग्रीनलैंड के साथ-साथ नॉर्वे, स्वीडन, फ्रांस, जर्मनी, ब्रिटेन, नीदरलैंड और फिनलैंड जैसे अन्य देशों में 1 फरवरी से 10 फीसदी टैरिफ लागू करने की घोषणा की जा चुकी है, जो 1 जून से बढ़कर 25 फीसदी तक पहुंच जाएगी, और यह टैरिफ जब तक जारी रहेगा तब तक ग्रीनलैंड की खरीद पर कोई समझौता नहीं हो जाता। टैरिफ की इस घोषणा के खिलाफ अमेरिका पर जवाबी आर्थिक कार्रवाई की मांग भी उठने लगी है। जिससे पूरा यूरोपीय संघ का व्यापार समझौता भी खतरे में पड़ सकता है, यानी अमेरिका जिस डाल पर बैठा है, वह उसी डाल को काटने में लगा है. जिसे देखते हुए यूरोपीय देशों ने तुरंत आपात बैठक बुलाकर जवाबी कार्रवाई करने की रणनीति पर चर्चा शुरू कर दी है।

ग्रीनलैंड के प्रधानमंत्री म्यूट इग़ा का कहना है कि हम बिकाऊ नहीं हैं और हम कभी भी बिकाऊ नहीं होंगे। हमें स्वतंत्रता के लिए अपने लंबे संघर्ष को नहीं भूलना चाहिए। हालांकि, हमें पूरी दुनिया और ख़ासकर अपने पड़ोसियों के साथ सहयोग और व्यापार के लिए खुले रहना चाहिए। डेनमार्क और उसके आसपास के देशों ने ट्रंप को ग्रीनलैंड से पीछे हटने की भी सलाह दी है। लेकिन वेनेजुएला पर कब्ज़ा करके ट्रंप अब यूरोपियों देशों में भी अपनी दखल बढ़ाना चाहता है। ट्रंप ग्रीनलैंड पर एक के बाद एक और ज्यादा सख्त रवैय्या करता जा रहा है। वह ग्रीनलैंड के संसाधनों पर कब्जा करके दुनिया में एक नए उपनिवेशवाद की ताकत का परिचय कराना चाहता है।

ट्रंप का मानना है कि इससे रूस और चीन को आर्कटिक क्षेत्र में उनके प्रभाव को रोकना है। क्योंकि इस वक्त अमेरिका आधुनिक ग्लोबल राजनीति में एक नई किस्म का उपनिवेशवाद खड़ा करने में लगा है, जिसने पूरी दुनिया की अंतरराष्ट्रीय राजनीति में हलचल पैदा कर दी है। अमेरिका किसी भी कीमत पर नाटो देशों में रूस और चीन की घुसपैठ को रोकना चाहता डोनाल्ड ट्रंप का यह भी मानना है कि ग्रीनलैंड और पनामा नहर पर अमेरिका का क़ब्ज़ा होना चाहिए, क्योंकि ये दोनों अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए बेहद ज़रूरी हैं। सभी जगह मौजूद रूसी और चीनी जहाज़ों की निगरानी के लिए ये द्वीप अमेरिका के लिए बेहद ज़रूरी है। मैं मुक्त दुनिया की रक्षा की बात कर रहा हूं। अमेरिका ग्रीनलैंड को रणनीतिक रूप से बहुत ज़रूर मानता है, क्योंकि दुनिया के बड़े खनिज भंडार यहां उपलब्ध है जो बैटरी और हाईटेक उपकरणों को बनाने में इस्तेमाल होते है। लेकिन अब देखना यह होगा कि ट्रंप के सिर पर सवार टैरिफ की बढ़ोतरी, ग्रीनलैंड पर कब्ज़ा और ईरान सरकार के खिलाफ़ दखलंदाजी का भूत कब तक कायम होता है।

नवजीवन और संघर्ष का प्रतीक बसंत

बसंत पंचमी पर विशेष

अमित राव पवार

लेखक साहित्यकार हैं।

बसंत ऋतु को 'ऋतुराज' कहा गया है, क्योंकि यह केवल मौसम का परिवर्तन नहीं, बल्कि आशा, नवचेतना और सृजन का संदेश लेकर आती है। बसंत मानव जीवन में उस अवस्था का प्रतीक है, जहाँ संघर्ष के बाद नवीन ऊर्जा और सकारात्मकता का संचार होता है। आधुनिक युग में मनुष्य प्रगति की दौड़ में प्रकृति से निरंतर दूर होता जा रहा है। परिणामस्वरूप पर्यावरण असंतुलन, जलवायु परिवर्तन और प्राकृतिक आपदाओं जैसी समस्याएँ सामने आ रही हैं। बसंत ऋतु हमें यह स्मरण कराती है कि प्रकृति के साथ संतुलन बनाए बिना विकास संभव नहीं है। यह ऋतु प्रकृति के प्रति संवेदनशील होने और उसके संरक्षण का संदेश भी देती है। बसंत का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष यह है कि यह संघर्ष के बाद मिलने वाली उपलब्धि का प्रतीक है। जिस प्रकार प्रकृति वर्षभर कठोर परिस्थितियों का सामना करने के बाद बसंत में अपने सौंदर्य को प्रकट करती है, उसी प्रकार मानव जीवन में भी कठिनाइयों और चुनौतियों के पश्चात सफलता का समय आता है। जीवन का प्रत्येक संघर्ष व्यक्ति को भीतर से मजबूत बनाता है और उसे आगे बढ़ने की शक्ति प्रदान करता है।

भारतीय इतिहास और संस्कृति में इस भाव को अनेक उदाहरणों के माध्यम से देखा जा सकता है। भगवान श्रीराम का जीवन संघर्ष, त्याग और धैर्य का आदर्श है। चौदह वर्षों के वनवास और अनेक कठिनाइयों के पश्चात उन्होंने धर्म की स्थापना की और मर्यादा पुरुषोत्तम कहलाए। इसी प्रकार रानी अहिल्याबाई होलकर ने व्यक्तिगत दुखों और सामाजिक चुनौतियों के बावजूद जनकल्याण और राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखा। उनका जीवन यह सिद्ध करता है कि संघर्ष ही व्यक्ति को महान बनाता है। भारत का राष्ट्रीय जीवन भी संघर्षों से होकर निखरा है। विदेशी आक्रमणों और औपनिवेशिक शासन के बावजूद भारतीय संस्कृति, परंपरा और मूल्यों को नष्ट नहीं किया जा सका। स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान 'मेरा रंग दे बसंती चोला' जैसे गीत केवल भावनात्मक अभिव्यक्ति नहीं थे, बल्कि बलिदान और राष्ट्रप्रेम के प्रतीक थे। भगत सिंह और उनके साथियों ने अपने प्राणों की आहुति देकर देश को स्वतंत्रता की राह दिखाई। उनका बलिदान भारतीय चेतना में बसंत के समान ही है, जिसने राष्ट्र को नई दिशा दी।

यद्यपि बसंत ऋतु विश्व के अन्य देशों में भी आती है, किंतु भारत में इसका स्वरूप विशिष्ट है। यहाँ बसंत केवल प्राकृतिक परिवर्तन तक सीमित नहीं, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक जीवन का अभिन्न अंग है। फाल्गुन मास में गोकुल, बरसाना और मथुरा की फाग, काशी और अयोध्या की होली तथा लोक परंपराओं में दिखाई देने वाला उल्लास भारतीय संस्कृति की जीवंतता को दर्शाता है। यह उत्सव सामूहिकता, प्रेम और सामाजिक समरसता को बढ़ावा देते हैं।

बसंत पंचमी इस ऋतु का विशेष पर्व है। शास्त्रों के अनुसार माघ मास के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को बसंत पंचमी मनाई जाती है। इस वर्ष यह पर्व 23 जनवरी को मनाया जा रहा है। इस दिन विद्या, बुद्धि और ज्ञान की अधिष्ठात्री देवी माँ सरस्वती के प्रकटोत्सव का उल्लेख मिलता है। बसंत पंचमी को ज्ञान और विवेक के जागरण का पर्व माना जाता है।

इस दिन माँ सरस्वती के साथ भगवान गणेश, माँ लक्ष्मी और नवग्रहों की पूजा का विधान है। पुस्तकों, लेखनी और वाद्य यंत्रों की पूजा यह संकेत देती है कि ज्ञान केवल औपचारिक शिक्षा तक सीमित नहीं, बल्कि कला, संगीत और सृजन में भी निहित है। ब्रह्मवैवर्त पुराण के अनुसार यह दिन नए कार्यों, नई विद्या और नए संबंधों की शुरुआत के लिए शुभ माना गया है। इसे अबूझ मुहूर्त भी कहा जाता है, जिससे इसका महत्व और बढ़ जाता है।

बसंत पंचमी पर पीले रंग का विशेष महत्व है। पीला रंग गुरु ग्रह से संबंधित माना गया है,जो ज्ञान,विवेक और मार्गदर्शन का प्रतीक है। भगवान श्रीकृष्ण द्वारा पीतांबर धारण कर माँ सरस्वती की आराधना का उल्लेख यह दर्शाता है कि जीवन में आनंद और ज्ञान का संतुलन आवश्यक है। समग्र रूप से देखा जाए तो बसंत ऋतु केवल प्राकृतिक सौंदर्य की ऋतु नहीं, बल्कि जीवन को सकारात्मक दृष्टि से देखने की प्रेरणा देती है। यह मनुष्य को संघर्ष से भयभीत होने के बजाय उसे स्वीकार कर आगे बढ़ने का संदेश देती है। बसंत हमें यह सिखाता है कि प्रत्येक पतझड़ के बाद एक नया बसंत अवश्य आता है। यही भारतीय जीवन-दर्शन का मूल तत्व है,जो आशा,धैर्य और सृजन में विश्वास करता है।

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्प्लेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं डी-100/46, शिवाजी नगर भोपाल से प्रकाशित।

प्रधान संपादक
उमेश त्रिवेदी
कार्यकारी प्रधान संपादक
अजय बोकिल
संपादक (मध्यप्रदेश)
विनोद तिवारी
वरिष्ठ संपादक
पंकज शुक्ला
प्रबंध संपादक
अरुण पटेल
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2003/ 10923,
Ph. No. 0755-2422692, 4059111
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

मुकेश नेमा

लेखक एमपी के वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी हैं।

लफ़्फ़ाज़ियाँ करने में हमारा कोई मुक़ाबला नहीं, हम विश्व गुरु

अख़बारों में छपने वाले मृत्यु सूचना संदेशों को पढ़िए। इन्हें पढ़ते ही साफ भरोसा हो जाता है कि पूरी दुनिया में झूठ बोलने और लफ़्फ़ाज़ियाँ करने में हमारा कोई मुक़ाबला नहीं। यदि हम विश्व गुरु हैं तो बस इसी मामले मे और इस मैदान में दूसरे सब हमसे मीलों पीछे है। ऐसे सफेद झकाझक झूठ बोलते हैं हम कि अकल के अंधों की भी तत्काल समझ में आ जाए कि जो सुना है उसे गंभीरता से लेना क़तई जरूरी नहीं। हमारी तरफ से छपवाए गए मृत्यु संदेश इसकी तस्दीक करते है।

हमारे देश में मरते ही हर आदमी संत हो जाता है। मरने के अगले दिन अख़बारों में छपने वाली इन सूचनाओं में उसे ऐसी ऐसी उपमाओं से नवाज़ा जाता है कि यमदूत के भैंसे पर चढ़ने के लिए उद्धत उसकी आत्मा को भी झेंप महसूस होने लगे। आपका जीवन हमारी प्रेरणा था। आप एक मार्गदर्शक ग्रंथ थे जिसके हर पन्ने मे करूणा,दया, ममता, कूट कूट कर भरी थी। आप न भूतो थे न भविष्यति। आप हर पल हर क्षण याद आऐंगें। हमारी आँखें आश्रुपूरित हैं। ऐसी ऐसी बातें लिखी होती है इन सूचनाओं में कि मरने वाले के यार दोस्त यह तय नहीं कर पाते कि रोना है या हँसना है।

ऐसी निरीह औलादें जो बाप से जीवन भर कूटी जाती रही हो। ऐसे दुष्ट लड़के जिन्होंने जीते जी बाप को लतियाया हो, वो सभी अपने बाप को मरते ही फौरन आदरणीय घोषित कर देते है। मरने वाला यदि कायदे का खाता पीता बाप हो तो ऐसी आरती उतारी जाती है कि मत पूछिए। मन होता है उनकी औलादों से पूछ ही लिया जाए कि यार तुम्हारा बाप यदि इतना ही महान था तो ये बात उसके जीते जी न उसे पता चली न हमें, न जगज़ाहिर हुई। ऐसा कैसे हुआ? ऐसी खबर से मरने वाले के पड़ोसी भी ताज्जुब में पड़ जाते है कि गुप्ता जी इतनी सारी अच्छाईयों के साथ चुपचाप मर गए और दीवार से दीवार लगी होने के बावजूद हमें कानों कान खबर नहीं हुई।

ऐसी मृत्यु सूचनाओं को पढ़ कर मुझे ये वहम होता है कि मरने वाले की औलादें राहत महसूस कर रही है। लड़का शोक सूचना इसलिए छपवा रहा है कि सभी जान जाएं कि हमारे बाप मर चुके और अब हम खुदमुख्तार है। और यह भी कि अब उनके पास बाप के दिए गए सारे उधारों को वसूल करने का पूरा हक है।

मरने वाले के मर जाने बाबत सूचना अखबार के कितने कॉलम घेरेगी ये बात उसकी छोड़ी गई जायदाद पर निर्भर करती है। यदि मरहूम कायदे की जमीनें दुकानें बैंक बैलेंस छोड़ गए हो तो औलादें लोकल अखबार के एकाध पेज का खर्च सहर्ष उठा ले जाती है। अम्मा के मरने बाबत सूचनाएं कुछ ऐसे शुरू होती है कि फलाने जी की पत्नी, अलाने जी अम्मा,ढिमके जी की सास, इनकी उनकी दादी अमुक जी का श्री लोक गमन कल रात हो गया है। मरने वाली का इतने आखरी में,नामों के झुरमुट के बीच होता है कि एकाएक समझना मुश्किल होता है कि मरा कौन है।

मृत्यु सूचनाएँ मुंडन टाईप का वो संस्कार है जिसे औलादें मन ही मन भुनभुनाते हुए पूरा करती है। ऐसे संदेश इसलिए भी छपवाए जाते है ताकि कंधा देने वालो, श्मशान में श्रद्धांजलि भाषण देने वालो का जुगाड़ हो जाए।

ये मृत्यु सूचनाएं इतनी नेक,संस्कारवान और सुशील होती है कि साफ लगता है कि ऐसा कोई लिखखाड मरने वाले के वारिस के संपर्क में है जो शादी के कार्ड का ब्यौरा और शोक संदेश लिखने में एक जैसा माहिर है।

ये सारी लिखा पढ़ी बस इसलिए क्योंकि मैं फुरसत में था। बहुत जल्द और फुरसत मे होने वाला हूँ। कभी भी,कुछ भी लिखने मे उस्ताद हूँ,खुद ज्यादा जीने की उम्मीद करता हूँ। ऐसे में इस बाबत कुछ भी लिखवाना हो तो बेझिझक संपर्क करे। आपकी मदद करने में मुझे खुशी होगी।

जयंती पर विशेष

सुसंस्कृति परिहार

शोषण के खिलाफ बेखौफ़, अपराजेय निराला

कुकुरमुत्ता गुलाब को ताना मारते हुए कहता है। तूने पूंजीपतियों के समान दूसरों का खून चूसा है तब तुझे यह खुशबू रंग और आभा प्राप्त हुई है। न जाने कितने नौकरों एवं मालियों ने तेरी देखभाल की होगी। इतना होने के बावजूद भी तेरे में काँटे हैं। तेरे पास जो भी आता है उसे तुझसे कष्ट ही मिलता है। तेरा व्यवहार तो उन पूंजीपतियों की तरह है जिससे कभी किसी को सुख नहीं मिल सकता है। तू बड़े-बड़े लोगों, राजाओं और अमीरों का प्यारा है। तू कभी साधारण वर्ग के साथ घुल-मिल नहीं सकता है। यहाँ कविता में कवि ने गुलाब के बहाने पूंजीपतियों के प्रति अपना आक्रोश व्यक्त किया है। अपनी बात को बड़े ही प्रतीकात्मक अंदाज़ में कहकर निराला ने सामंतों और पूंजीपतियों को जमकर फ़टकार लगाई है।

महाकवि, महाप्राण सूर्यकांत त्रिपाठी निराला का व्यक्तित्व एक दमदार आभा से दमकता रहा है। उन्होंने जीवन में जितनी त्रासदियों का सामना किया ऐसी जटिलताएं और किसी लेखक ने नहीं झेली होंगी। वे त्रासदियों का गरल पीकर ही विद्रोही कवि बने हैं वे निडर रहे संभवतः इसलिए पहलवानों की तरह अपनी काया को भी बनाया था और फिर बेख़ौफ़ लिखकर प्रतिकार करते हैं। उनकी एक लंबी कविता है 'कुकुरमुत्ता' इस कविता में कुकुरमुत्ता श्रमिक, सर्वहारा, शोषित वर्ग का प्रतीक है और गुलाब सामंती, पूंजीपति वर्ग का प्रतिनिधि है। एक नवाब साहब थे। उन्होंने अपने बगीचे में लगवाने के लिए फारस से गुलाब मंगवाए और उस गुलाब को अन्य फूलों के साथ लगवा दिए। बगीचे की देखभाल करने के लिए कई माली और नौकर नियुक्त किये गये, सारा बाग़ बहुत ही सुंदर ढंग से तैयार किया गया। बाग़ में अनेकों प्रकार के सुंदर फूलों के पौधे लगाए गए । जब फूलों के फूलने का मौसम आया तब फारस से लाया हुआ गुलाब का पौधा खुशबूदार फूलों से खिल उठा जिससे समूचे बाग़ के अन्य फूलों की शोभा मंद पड़ गई। उसी के पास स्थित पहाड़ी की गंदगी में एक कुकुरमुत्ता अपना सिर उठाकर खड़ा था और गुलाब को धता बताते हुए उससे कहने लगा-

'अबे, सुन बे, गुलाब, भूल मत जो पायी
खुशबु, रंग-ओ-आब,
खून चूसा खाद का तूने अशिष्ट, डाल पर इतरा
रहा है केपीटलिस्ट!'

कुकुरमुत्ता गुलाब को ताना मारते हुए कहता है। तूने पूंजीपतियों के समान दूसरों का खून चूसा है तब तुझे यह खुशबू रंग और आभा प्राप्त हुई है। न जाने कितने नौकरों एवं मालियों ने तेरी देखभाल की होगी। इतना होने के बावजूद भी तेरे में काँटे हैं। तेरे पास जो भी आता है उसे तुझसे कष्ट ही मिलता है। तेरा व्यवहार तो उन पूंजीपतियों की तरह है जिससे कभी किसी को सुख नहीं मिल सकता है। तू बड़े-बड़े लोगों, राजाओं और अमीरों का प्यारा है। तू कभी साधारण वर्ग के साथ घुल-मिल नहीं सकता है। यहाँ कविता में कवि ने गुलाब के बहाने पूंजीपतियों के प्रति अपना आक्रोश व्यक्त किया है।अपनी बात को बड़े ही प्रतीकात्मक अंदाज़ में कहकर निराला ने सामंतों और पूंजीपतियों को जमकर फ़टकार लगाई है।

एक दूसरी कविता 'वह तोड़ती पत्थर/' में वह लिखते हैं वह तोड़ती पत्थर/मैंने उसे इलाहाबाद के पथ पर/वह तोड़ती पत्थर /कोई न छायादार/पेड़ वह जिसके तले बैठी हुई स्वीकार/श्याम तन, भर बंधा यौवन/नत नयन, प्रिय-कर्म-रत मन/गुरु हथौड़ा हाथ/करती बार-बार प्रहार/सामने तरु-मालिका अट्टालिका, प्राकार/चढ़ रही थी धूप/गर्मियों के दिन/दिवा का तमतमाता रूप/उठी झुलसाती हुई लू/रुई ज्यों जलती हुई भू/गर्द चिनगीं छा गई प्रायः हुई दुपहर /वह तोड़ती पत्थर .....श्रम साधना में लीन एक स्त्री के श्रम सौंदर्य का जितना सशक्त जीवंत चित्रण मिलता है वह तत्कालीन समकालीन कविता की धरोहर है। कवि इलाहाबाद के किसी रास्ते पर उस महिला को पत्थर तोड़ते हुए देखते है। वह एक ऐसे पेड़ के नीचे बैठी है, जहा छाया नहीं मिल रही आस पास भी कोई छायादार जगह नहीं हैं। इस प्रकार कवि शोषित समाज की विषमता का वर्णन करते हुए बताते है कि मजदूर वर्ग अपना काम पूरी लगन के साथ करते है। कवि महिला के रूप का वर्णन करते हुए कहते है, की महिला का रंग सावला है, वह युवा है आंखों में चमक है और मन अपने कार्य में लगा रखा हैं। वह पत्थर तोड़ रही हैं। सूरज अपने चरम पर जा पहुंचा है, गर्मी बढ़ती जा रही है। कवि बताते है दिन में सबसे कष्टदायक समय यही हैं। धरती - आसमान सब इस भीषण गर्मी से झुलस रहे है। कवि बताना चाहते हैं कि महिला अपनी गरीबी के कारण दुखी है परन्तु उसने अभी तक अपनी हिम्मत नहीं हारी है। अचानक महिला को अपने कार्य का स्मरण होता है और एकाएक एक फिर से अपने कार्य में लग जाती है। श्रम की महत्ता प्रतिपादित करते हुए यहां निराला

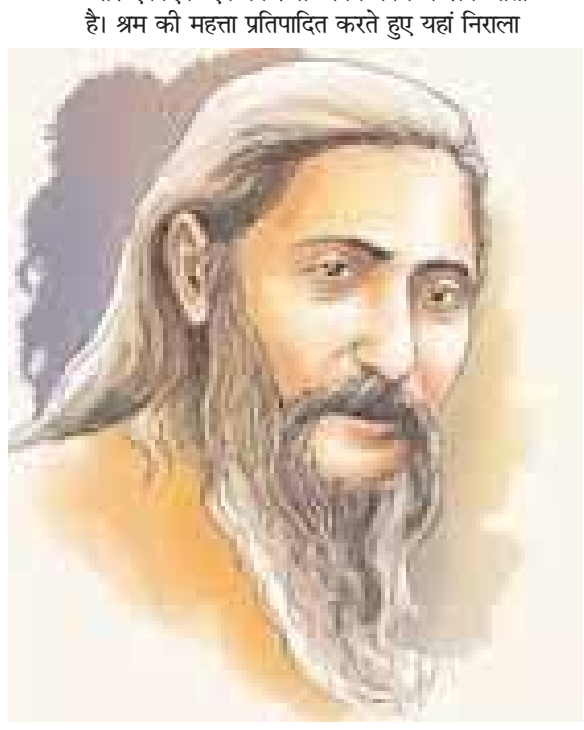

उस समाज पर चोट करते हैं जिन्हें इस सौन्दर्य और श्रम की अनुभूति नहीं होती ना ही संवेदनाएं जागती हैं।इतनी सूक्ष्म और बारीक दृष्टि सिर्फ निराला ने पाई।

इसके अलावा उनकी एक और कविता की याद आ जाती है वह है 'जब राजे ने अपनी रखवाली की' यह रचना तो आज बहुत ही प्रासंगिक हो जाती है जब सामंती सोच के दायरे पंख पसार रहे हों और जनता गूंगी बहरी बनी सब स्वीकार करते हुए मस्त हो। कविता देखें-

'राजे ने रखवाली की/क़िला बनाकर रहा/बड़ी-बड़ी फ़ौजें रखीं/चापलूस कितने सामंत आए/मतलब की लकड़ी पकड़े हुए/कितने ब्राह्मणआए/ पोथियों में जनता को बाँधे हुए/कवियों ने उसकी बहादुरी के गीत गाए/लेखकों ने लेख लिखे/ऐतिहासिकों ने इतिहासोंके पन्ने भरे/नाट्य कलाकारों ने कितने नाटक रचे/रंगमंच पर खेले/जनता पर जादू चला राजे के समाज का/लोक-नारियों के लिए रानियाँ आदर्श हुईं/धर्म का बढ़ावा रहा धोखे से भरा हुआ/लोहा बजा धर्म पर/सभ्यता के नाम पर/खून की नदी बही/आँख-कान मूँदकर जनता ने डुबकियाँ लीं/आँख खुली-राजे ने अपनी रखवाली की।'

कविता में महाकवि निराला ने राजतन्त्र पर जबरदस्त व्यंग्य किया है। कवि कहता हैं कि राजा देश की रक्षा के नाम पर विभिन्न उपाय करता है पर वह व्यवस्था वस्तुतः स्वयं उसकी अपनी रक्षा के लिए होती है। इन सबका यह परिणाम हुआ कि राजा और उसके समर्थक वर्ग का जादू जनता पर चल गया है। वह उन्हें महान् समझने लगी है। राजा की रानियाँ भी समाज की नारियों के लिए आदर्श नारी मानी जाने लगीं। राज्याश्रय में पलने वाले धार्मिकों ने जनता को धोखा देने वाले धर्म को बढ़ावा दिया हैं। अपने धर्म एवं सभ्यता को श्रेष्ठ बताकर उनका प्रचार किया तथा इस प्रक्रिया में संघर्ष हुआ, शस्त्र चले, खून की नदियाँ बहीं। राजाओं के आदेश पर जनता ने अपना खून बहाया और उनकी इच्छा को ईश्वर की इच्छा मानकर वह कटती-मरती रही किन्तु जब जनता की आँख खुलीं तो उसकी समझ में आया कि राजा ने अपनी रखवाली की,उनकी रक्षा नहीं की वरन् स्वयं की रक्षा ही की है।आज लगभग कुछेक स्थितियों को छोड़कर हाल वही है निराला सच लिख देते हैं जब आंख खुलेगी बहुत देर हो जाएगी।

लगता है,इसीलिए अंत में निराला 'वीणा वादिनी वर दे' लिखने प्रेरित होकर ऐसी सरस्वती वंदना लिखते हैं जो वीणा बजाती हुई जीती जागती देवी की हैं।वे उनसे जो वरदान मांगते हैं उनमें नवीनता का संदेश देते हुए अंधियारा हटाने की बात करते हैं जो आज भी स्टीक और प्रासंगिकता लिए हुए हैं।वे लिखते हैं 'वीणा वादिनी वर दे!/ वीणा वादिनी वर दे/प्रिय स्वतंत्र रव -अमृत मंत्र-नव/ भारत में भर दे/काट अंध उर के बंधनस्तर/बहा जननी ज्योतर्मय निर्झर/कलुष भेद तम हर प्रकाशभर/ जग मग जग कर दे!/नव गति, नव लय, ताल-छंद नव/नवल कंठ, नव जलद-मन्द्ररव;/नव नभ के नव विहग-वृंद को/नव पर, नव स्वर दे /वर दे, वीणा वादिनि वर दे।' इस कविता में वे नई चेतनायुक्त नवीनता का खुलकर आव्हान करते हैं।

महत्वपूर्ण बात यह है कि सूर्यकांत त्रिपाठी निराला का जन्म बसंत पंचमी के दिन हुआ इस दिन ,बंगाल बिहार में सरस्वती पूजा का विधान है और नन्हें बच्चों के पाठन पाठन की शुरुआत इसी दिन से प्रारंभ की जाती है। इस अवसर पर तथा आज भी देश के हज़ारों विद्यालयों में यह गीत प्रार्थना के समय गाया जाता है। जो एक क्रांतिकारी गीत है। निराला सम्यक बदलाव के पक्षधर हैं। आज उनकी बात सुनना और अपनी आंख खोलना बहुत ज़रूरी है। तभी देश में बढ़ते नये तरीके के शोषण और ख़ौफ के दरवाजे बंद किए जा सकते हैं। वे अपराजेय रहे और हमें भी अपराजेय रहने का मूलमंत्र देकर गए है। वे प्रगतिगामी एवं परिवर्तन कारी कवि थे।

बसंत पंचमी पर विशेष

रमेश रंजन त्रिपाठी

लेखक स्तंभकार हैं।

ज्ञान की देवी, माँ सरस्वती

गोस्वामी तुलसीदास जी ने 'श्री रामचरितमानस' में बुद्धि, विवेक और वाणी को प्रभावित करने के लिए देवी सरस्वती की कृपा का वर्णन किया है। रावण, कुंभकर्ण और विभीषण की तपस्या से प्रसन्न होकर ब्रह्मा जी उन्हें वरदान देने आते हैं तब कुंभकर्ण के भयंकर विशाल आकार को देखकर चिंतित हो उठते हैं कि यह राक्षस प्रतिदिन भोजन करेगा तो पूरे संसार को शीघ्र ही समाप्त कर देगा। विधाता के आग्रह पर सरस्वती जी कुंभकर्ण की जिह्वा पर विराजमान हो जाती हैं और वह अपने लिए छह महीने की नींद और एक दिन की जाग्रत अवस्था मांग लेता है।

अपने विचार और भावनाओं की अभिव्यक्ति के लिए स्वर, शब्द, हावभाव, भाषा या चित्र का सहारा लेते हुए मनुष्य को वाणी और बुद्धि की महत्ता समझ में आई होगी। तब उसने संगीत, कला, नृत्य, अभिनय आदि संप्रेषण के माध्यमों में परफेक्शन, प्रभाव एवं सफलता के लिए आवश्यक शक्ति पाने की आकांक्षा से देवी सरस्वती से प्रार्थना की होगी। सृष्टि के संचालन के लिए ऊर्जा एवं चेतना की स्रोत आदिशक्ति हैं, जो माता शारदा के रूप में बुद्धि, विवेक, ज्ञान, चेतना और समस्त ललित कलाओं की अधिष्ठात्री देवी हैं।

ऋतुओं के राजा बसंत में माघ महीने के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को माता सरस्वती का प्राकट्य हुआ। वे ब्रह्मा जी के मुख से उत्पन्न हुईं। वाग्देवी का अलौकिक स्वरूप निर्मलता, पवित्रता और श्रेष्ठता की सर्वोच्चता का प्रतीक है।

या कुन्देन्दुतुषारहारधवला या शुभ्रवस्त्रावृता।
या वीणावरदण्डमण्डितकरा या श्वेतपद्मासना।।
या ब्रह्माच्युतशंकरप्रभृतिभिर्देवैः सदा वन्दिता।
सा मां पातु सरस्वती भगवती निःशेषजाड्यापहा।।

अर्थात् जो कुन्द के फूल, चन्द्रमा, हिमराशि और मोतियों के हार के समान उज्ज्वल वर्ण की हैं, जो श्वेत वस्त्रों से ढकी हुई हैं, जिनके हाथ वीणा के सुन्दर दण्ड से सुशोभित हैं, जो श्वेत कमल पर विराजमान हैं, और जिनकी ब्रह्मा, विष्णु और शंकर जैसे देवताओं द्वारा सदा वंदना की जाती है, वही भगवती सरस्वती हमारी समस्त जड़ता और अज्ञानता को दूर करें और हमारी रक्षा करें।

अज्ञान रूपी तमस सरस्वती जी के आसपास भी नहीं फटक सकता। उनका वाहन हंस है जो नीर क्षीर विवेक का प्रतीक है। उनका विग्रह श्वेत अर्थात उज्ज्वल, निर्मल, शीतल, पावनता का मूर्तिमान स्वरूप है। उनके हाथों में वीणा संगीत, साहित्य और कला के आश्रय को दर्शाती है।

गोस्वामी तुलसीदास जी ने 'श्री रामचरितमानस' में बुद्धि, विवेक और वाणी को प्रभावित करने के लिए देवी सरस्वती की कृपा का वर्णन किया है। रावण, कुंभकर्ण और विभीषण की तपस्या से

प्रसन्न होकर ब्रह्मा जी उन्हें वरदान देने आते हैं तब कुंभकर्ण के भयंकर विशाल आकार को देखकर चिंतित हो उठते हैं कि यह राक्षस प्रतिदिन भोजन करेगा तो पूरे संसार को शीघ्र ही समाप्त कर देगा। विधाता के आग्रह पर सरस्वती जी कुंभकर्ण की जिह्वा पर विराजमान हो जाती हैं और वह अपने लिए छह महीने की नींद और एक दिन की जाग्रत अवस्था मांग लेता है। दुनिया निशाचर का ग्रास बनने से बच जाती है। दूसरा अवसर आता है जब अयोध्या नरेश दशरथ श्रीराम के राज्याभिषेक की तैयारी करते हैं। देवताओं को चिंता होती है कि श्रीराम के राजा बन जाने पर रावण का वध कैसे होगा, क्योंकि दशानन की मृत्यु वानरों की सहायता से नर के हाथों होनी थी ! रावण का अंत करने के लिए श्रीराम का वन में जाना आवश्यक था। तब देवतागण माता शारदा से सहायता की याचना करते हैं। देवताओं का काम संवारने तथा पृथ्वी को राक्षसों के अत्याचार से मुक्ति दिलाने जैसे परोपकार के लिए वाग्देवी महाराज दशरथ की प्रिय पत्नी महारानी कैकेयी की दासी मंथरा की बुद्धि भ्रष्ट कर देती हैं। मंथरा अपनी स्वामिनी महारानी कैकेयी को उनके पुत्र भरत के लिए अयोध्या का राज्य और श्रीराम के वनवास का वरदान माँगने के लिए तैयार कर लेती है। इतिहास गवाह है कि कैकेयी द्वारा मांगे गए वरदान ही रावण के अंत का सबब बने। इन दोनों अवसरों पर माता सरस्वती सहायता करती हैं परन्तु श्रीराम को वनवास से वापस लौटाने के लिए भरत जब चित्रकूट जाते हैं तब वे भरत की मति फेरने के देवताओं के निवेदन को ठुकरा देती हैं।

माँ शारदा ज्ञान, बुद्धि, विवेक और वाणी की देवी हैं। वे लोक कल्याण के लिए तत्पर रहती हैं लेकिन अनैतिक एवं अनर्थ में साथ नहीं देतीं। देवी सरस्वती की कृपा से चेतना, प्रज्ञा और ज्ञान का उच्चतम शिखर प्राप्त होता है। उनकी आराधना से भक्तों का सदैव कल्याण होता है।

राष्ट्र के महानायक नेताजी सुभाष चंद्र बोस

चित्रा माली

गांधी एवं शांति अध्ययन विभाग, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विवि क्षेत्रीय केंद्र कोलकाता।

इतिहास में ऐसे कई सवाल दर्ज है जिनके कारण आम आवाम राष्ट्र के महान नेताओं और राष्ट्र के प्रति प्रतिबद्ध और समर्पित नेताओं को एक दूसरे के बरक्स खड़ा कर देती हैं। ऐसा ही एक सवाल महात्मा गांधी और नेताजी सुभाष चंद्र बोस के मतभेदों और खासकर त्रिपुरा कांग्रेस अधिवेशन को लेकर भी है। सामान्य विमर्शों में अक्सर यह मत आवाम के द्वारा व्यक्त किया जाता है कि गांधी जी का सुभाष बाबू के प्रति रुख़ अन्यायपूर्ण था उन्हें सुभाष बाबू का समर्थन और सहयोग करना चाहिए था। महात्मा गांधी जब से कांग्रेस पार्टी के सर्वप्रमुख नेता तौर पर उभरे थे तब से अध्यक्ष पद का चुनाव आम सहमति से होता आया था।

1938 में हरिपुर में कांग्रेस का अधिवेशन हुआ जो बारडोली के पास था। उसमें सर्वसम्मति से सुभाष चंद्र बोस को पार्टी का अध्यक्ष चुना गया जब वे इंग्लैंड में थे। इसमें महात्मा गांधी, कांग्रेस प्रतिनिधि मंडल,युवा और वामपंथी सभी शामिल थे। कांग्रेस अध्यक्ष के तौर पर सुभाष चंद्र बोस को पार्टी के भीतर स्वतंत्र भारत में सोवियत तर्ज पर नियोजित विकास पर चर्चा करने का श्रेय दिया जाता है। युद्ध की संभावना के साथ कांग्रेस की नीति के प्रश्न को लेकर सुभाष बाबू और गांधी जी के विचारों में संघर्ष को देखा जा सकता है। सुभाष बाबू का स्पष्ट मानना था कि युद्ध की संभावनाओं का लाभ उठाकर कांग्रेस को आजादी की लड़ाई खूब तेज कर देनी चाहिए और इस हेतु गांधी जी से पत्राचार भी किया जिसमें उन्होंने ब्रिटिश राज के विरुद्ध ज्यादा सख्त रवैया अपनाने का आग्रह किया। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विश्व युद्ध के संकट ने सुभाष बाबू को आश्वस्त कर दिया था कि 'पूर्ण स्वराज के मुद्दे पर बल देने का वक्त आ गया है'।

सुभाष बाबू चाहते थे कि कांग्रेस ब्रिटिश सरकार को इस बावत अल्टीमेटम दे और उसकी मांगें न मानी गईं तो कांग्रेस की प्रांतीय सरकारों को इस्तीफा देकर आजादी के लिए पूर्ण संग्राम में कूद जाना चाहिए। उन्होंने गांधी जी से कहा कि 'वे इसे लेकर इतने आश्वस्त और आशावान हैं कि उन्हें लगता है कि अगर साहस के साथ काम किया जाए तो हद-से-हद अठारह महीनों में आजादी हासिल की जा सकती है'। इस पत्र के जवाब में गांधी जी ने कहा कि बोस को अपनी कार्यसमिति का गठन करना चाहिए, कार्यक्रमों का निर्धारण करना चाहिए। अगर अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी इस प्रस्ताव को स्वीकार करती है तो बेधड़क पार्टी में अल्पसंख्यक मतों की परवाह किए बगैर इसे लागू किया जाना चाहिए'। गांधी जी का सुभाष बाबू के द्वारा प्रस्तावित रास्ते से मतभेद था। सुभाष बाबू के अनुसार 'उस समय अहिंसक जन प्रतिरोध का कोई माहौल नहीं था'। गांधी जी ने सुभाष चंद्र बोस से कहा कि 'मुझे इस हवा में हिंसा की गंध महसूस हो रही है,लेकिन वह सूक्ष्म रूप धारण किए हुए है'।अहिंसा के प्रति सुभाष चंद्र बोस की प्रतिबद्धता भी बहुत निश्चित नहीं थी। वे अपनी किताब 'द इंडियन स्ट्रगल' जो 1935 में प्रकाशित हुई थी। उसमें उन्होंने 'नियति और दैवीय शक्तियों में भारत के अडिग विश्वास, आधुनिक युद्ध प्रणाली के विज्ञान में उसके पिछड़ेपन, उसके बाद के दिनों के दर्शन की वजह से आई शांतिपूर्ण संतुष्टि और निकृष्टतम स्वरूप तक अहिंसा के पालन के लिए गांधी जी की आलोचना की थी लेकिन उसी के साथ गांधी जी की चारित्रिक निष्ठा और उनके संघर्ष की प्रशंसा भी की थी।

सुभाष चंद्र बोस के जीवनीकार लियोनार्ड गोर्डन ने लिखा है कि 'बोस यह महसूस करते थे कि अंग्रेजों के विरुद्ध लड़ाई में भारत को मजबूत,ऊर्जावान और सैन्य नेतृत्व जैसे किसी व्यक्ति की जरूरत है - संभवतः वे उस भूमिका में खुद को देखते थे - जो संकोची,भ्रमित और सुधारवादी गुरु न हो'। गांधी जी का मत था कि कांग्रेस को अभी धीरज रखना चाहिए। लोहिया इस मामले में सुभाष बाबू के समर्थक थे। कांग्रेस पार्टी में कई क्रांतिकारी परिवर्तन सुभाष चंद्र बोस ने किए वे बिना किसी प्रभाव के और दबाव के पार्टी हित में निर्णय लेने से भी नहीं चूके। 1939 में काफी वर्षों बाद अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी द्वारा पार्टी अध्यक्ष पद के लिए चुनाव करवाया गया। यह चुनाव जनवरी के अंतिम सप्ताह में हुआ। सुभाष चंद्र बोस ने दुबारा कांग्रेस अध्यक्ष इसलिए बनना चाहा कि वे कांग्रेस को उन लोगों से मुक्त करा सकें जिन्हें वे 'ओल्ड गार्ड्स' और गांधीवादी कहते थे-इन 'ओल्ड गार्डस' में मौलाना आजाद, सरदार पटेल, राजेंद्र बाबू, राजगोपालाचारी और कुछ हद तक जवाहरलाल नेहरू भी शामिल थे क्योंकि वे भी मोटे तौर पर गांधी जी के तरीकों से सहमत थे। तथा इसके बाद वे कांग्रेस और स्वतंत्रता के संघर्ष को अपने अनुसार संचालित करना चाहते थे। सुभाष बाबू ने अध्यक्ष पद का चुनाव 213 के बहुमत से जीता। सुभाष चंद्र बोस को सोशलिस्टों का भी समर्थन हासिल था। सुभाष चंद्र बोस के लिए नीरद चौधरी ने टिप्पणी की थी कि वे एक शानदार वक्ता है उनके पास एक ही बात को अलग-अलग तरीके से हजार बार कहने की क्षमता थी। गांधी जी ने त्रिपुरा अधिवेशन में हिस्सा नहीं लिया था लेकिन जब सुभाष बाबू के दुबारा विजयी होने का समाचार प्राप्त हुआ तो उन्होंने एक वक्तव्य जारी किया। सुभाष बोस ने अपने प्रतिद्वंद्वी डॉ. पट्टाभि सीतारमैया के ऊपर निर्णायक जीत हासिल की है। मैं स्वीकार करता हूं कि शुरू से ही मैं उन्हें दुबारा चुने जाने के खिलाफ था। उनके कारणों में नहीं जाऊंगा। मैं उनके घोषणापत्र के तर्कों या तथ्यों से सहमत नहीं हूं। मैं उनकी जीत से खुश हूं। लेकिन मेरे ही कारण डॉ. पट्टाभि ने मौलाना साहब के अध्यक्ष पद की उम्मीदवारी से हाथ खींचने के बाद मैदान में डटे रहने का फैसला लिया था तो ऐसे में उनकी हार उनसे कहीं अधिक मेरी है। गांधी जी के इस वक्तव्य के जवाब में सुभाष बाबू ने भी वक्तव्य जारी किया उन्होंने कहा कि वे इस बात से दुखी हैं कि महात्मा ने इसे अपनी 'निजी हार' के रूप में देखा। कांग्रेस अध्यक्ष पद के चुनाव में मतदाताओं को गांधी जी के लिए या उनके विरुद्ध मत देने के लिए नहीं कहा गया था। सुभाष बाबू ने इस बात को स्वीकार किया कि इस चुनाव का नतीजा कांग्रेस के अंदर वाम धड़े की जीत के तौर पर व्याख्यायित किया जा रहा है लेकिन पार्टी के अंदर बंटवारे को बढ़ावा नहीं दिया जाएगा। उन्होंने स्वयं कांग्रेसजनों को आश्वस्त किया कि 'संसदीय या संसदीय क्षेत्र से बाहर कांग्रेस के पुराने तौर तरीकों से कोई क्रांतिकारी दूरी नहीं बनाई जाएगी। सुभाष बाबू ने कहा कि वे 'गांधी के व्यक्तित्व के सम्मान की रक्षा में किसी के सामने नहीं झुकेंगे'।

सुभाष बाबू ने जोर देकर कहा कि 'उनका लक्ष्य रहेगा कि वे गांधी का विश्वास हासिल करें और ऐसा इसलिए कि यह उनके लिए आपदा के समान होगा कि वह दूसरे लोगों का तो विश्वास तो अर्जित करें लेकिन हिंदुस्तान के महानतम व्यक्तित्व के विश्वास से वंचित रहें। सुभाष बाबू राजनीति और आर्थिक मामलों में वाम विचारधारा की तरफ झुके हुए थे। उनके विचार और व्यक्तित्व युवाओं को अत्यधिक प्रभावित करते थे। वे गांधी जी की तारीफ तो करते थे लेकिन उनके 'ओल्ड गार्ड्स' की तरह नहीं थे। सुभाष बाबू के दुबारा अध्यक्ष बनते ही कांग्रेस कार्यसमिति के अधिकांश सदस्यों ने इस्तीफा दे दिया। सुभाष चंद्र बोस और गांधी के बीच लंबा पत्राचार चला जिसमें नीतियों और सिद्धांतों का मतभेद बना रहा। गांधी जी के सिद्धांतों और नीतियों को मानना सुभाष बाबू के लिए मुश्किल था उसी प्रकार से सुभाष बाबू की नीतियों और प्रस्ताव को स्वीकार करना गांधी जी के कठिन था। सुभाष चंद्र बोस को हिंसक साधनों का इस्तेमाल करने में कोई भी हिचक नहीं थी लेकिन गांधी जी और कांग्रेस की घोषित नीति की इससे सहमति नहीं हो सकती थी। अपने पूर्व के एक वर्षीय अध्यक्षीय कार्यकाल के दौरान सुभाष चंद्र बोस ने कलकत्ता स्थित जर्मन कांसुलेट के माध्यम से हिटलर से संपर्क साधने और स्वतंत्रता की लड़ाई में समर्थन हासिल करने के प्रयास भी किए थे। जिसकी कोई भी जानकारी उन्होंने गांधी जी या कांग्रेस कार्यसमिति को नहीं दी थी। लेकिन इसकी जानकारी ब्रिटिश सरकार को थी और के.एम. मुंशी के माध्यम से गांधी जी को भी। इसके पूर्व 1935 में वे हिटलर से भी मिले थे और उनका पूरा विश्वास था कि भारतीय विद्रोह की स्थिति में उन्हें जर्मनी का पूरा समर्थन मिलेगा। गांधी और सुभाष बाबू के बीच मतभेद के बाबजूद भी सुभाष चंद्र बोस की लोकप्रियता और शक्ति दिनों दिन बढ़ती जा रही थी विशेषकर नवयुवकों के बीच। कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष पद से इस्तीफा देने के बाद बोस ने कांग्रेस के भीतर काम करने के लिए फॉरवर्ड ब्लॉक की स्थापना की। 1857 के स्वतंत्रता संग्राम के बाद आजाद हिंद फौज का अभियान स्वतंत्रता के लिए किया गया सबसे सुनियोजित,गंभीर और प्रभावी सशस्त्र संघर्ष था। 1940 में अंग्रेजों की नजरबंदी तोड़ कर बोस विदेश चले गए।

1943 में बोस एक पनडुब्बी में बैठकर जापान पहुंचे जहां उनकी मुलाकात प्रधानमंत्री तोजो से हुई और उन्हें जापानी संसद में निमंत्रित भी किया गया। जापान में रह रहे वरिष्ठ क्रांतिकारी रासबिहारी बोस ने सुभाष में अपना उत्तराधिकारी देखा। सिंगापुर में कैप्टन मोहन सिंह द्वारा संगठित भारतीय युद्धबंदियों की सेना का नेतृत्व संभालने के बाद अक्टूबर, 1943 में सुभाष चंद्र बोस ने आजाद हिंद फौज और आज़ाद हिंद सरकार के गठन की सार्वजनिक घोषणा की। यह सेना पूरी तरह से सेकुलर आधार पर गठित की गई थी। 1943 में बोस ने टोकियो रेडियो स्टेशन से घोषणा की कि अंग्रेजों से यह आशा करना बिल्कुल व्यर्थ है कि वे खुद अपना साम्राज्य छोड़ देंगे,हमें भारत के भीतर और बाहर से स्वतंत्रता के लिए स्वयं संघर्ष करना होगा। जुलाई 1944 में सुभाष चंद्र बोस ने रंगून रेडियो स्टेशन से महात्मा गांधी को संबोधित किया और गांधी जी को सर्वप्रथम राष्ट्रपिता कहकर संबोधित किया। इस संबोधन में अपनी स्थिति को स्पष्ट करते हुए आजाद हिंद फौज के द्वारा स्वतंत्रता के लिए लड़ी जा रही इस निर्णायक लड़ाई की जीत के लिए शुभकामनाएं मांगी।

आजाद हिंद फौज में कास्ट,क्लास और जेंडर के भेदभाव से परे सभी को संघर्ष में शामिल होने का अवसर प्रदान किया गया था। महिलाओं के लिए झांसी रानी रेजिमेंट बनाई गई थी। आजाद हिंद फौज में चालीस हजार स्त्री और पुरुषों को प्रशिक्षित किया गया था। नेताजी ने आजाद हिंद फौज में कई ब्रिगेड बनाए और उन्हें अलग अलग नाम दिए इन में प्रमुख महात्मा गांधी ब्रिगेड,नेहरू ब्रिगेड,अबुल कलाम आजाद ब्रिगेड,सुभाष चंद्र बोस ब्रिगेड जिसके सेनापति शाहनवाज खां (शाहरुख खान के नाना) थे। हम उस समय के घटनाक्रम, परिस्थितियों और तथ्यों को जाने बिना विश्लेषण करने लगते हैं और एक व्यक्तित्व के बरक्स दूसरे को खड़ा कर देते हैं जबकि दोनों का साध्य एक है और साधन अलग-अलग, इसीलिए मतभिन्नता और मतभेदों का होना लाजमी है लेकिन दोनों ही व्यक्तित्वों ने एक-दूसरे के प्रति आदर सम्मान को कम नहीं होने दिया। सुभाष बाबू को यह मलाल रहा कि वे भारत के महानतम व्यक्ति का विश्वास अर्जित नहीं कर पाए और महात्मा गांधी आजीवन सुभाष चंद्र बोस की बहादुरी और देशभक्ति के गहरे प्रशंसक बने रहे।

सेवानिवृत्त अधिकारी/ कर्मचारी पेंशनर महासंघ जिला देवास ने दिया ज्ञापन

देवास। 21 जनवरी को सेवानिवृत अधिकारी/कर्मचारी पेंशनर महासंघ प्रदेश स्तर से दिए गए निर्देश एवं मार्गदर्शन अनुसार मुख्यमंत्री के नाम डिप्टी कलेक्टर ऋतु चौरसिया को प्रदेश संरक्षक डॉ. विष्णु प्रसाद वर्मा, प्रदेश अध्यक्ष प्रेमनारायण तिवारी एवं जिला संरक्षक गेरूलाल व्यास के मार्गदर्शन में जिलाध्यक्ष सुभाष लाम्बोरे द्वारा ज्ञापन दिया गया। ज्ञापन में 9 सूत्रीय मांगे धारा 49/(6) की बाध्यता समाप्त,

6 वे और 7 वे वेतनमान का एरियर, 65 वर्ष आयु उपरांत 20 प्रतिशत अतिरिक्त वेतन, 50,000 एसग्रेसिया राशि , 65 वर्ष आयु पूर्ण होने पर आयुष्मान योजना का लाभ आदि मांगे रखी गई। ज्ञापन का वाचन जिलाध्यक्ष सुभाष लाम्बोरे ने किया। इस अवसर पर इस अवसर पर प्रदेश संरक्षक डॉ. विष्णु प्रसाद वर्मा, प्रदेश अध्यक्ष पी एन तिवारी, जिला संरक्षक गेरूलाल व्यास, जिलाध्यक्ष सुभाष लाम्बोरे, कार्यकारी अध्यक्ष पद्माकर फड़निस, जिला सचिव देवकरण शर्मा, कोषाध्यक्ष अशोक शर्मा, संगठन मंत्री शिवनारायण कारपेंटर, छगनलाल पिपलोदिया, भूषण कर्णिक, गजेन्द्रसिंह चौहान, राजेन्द्रसिंह सोलंकी, सुभाष शर्मा, अशोक दर्शे, अनूपसिंह परिहार, सुरेशचंद्र कारपेंटर, कन्हैयालाल यादव, श्यामसुंदर चतुर्वेदी, जगदीश नागर, अनंत चिखले, कल्पना मूले, सुनंदा शर्मा, कुसुम मेहरा, श्रीमती रेवाड़ीकर, अंजली पतकी, मधुबाला कारपेंटर आदि उपस्थित थे।

सेन थोम ग्रुप ऑफ स्कूल्स द्वारा 'टाइनी टैलेंट मीट' का आयोजन

देवास। सेन थॉम एकेडमी और सेन थॉम पब्लिक स्कूल, आगामी रविवार, 1 फरवरी 2026 को भोपाल रोड स्थित सेन थॉम एकेडमी, देवास में बहुप्रतीक्षित 'टाइनी टैलेंट्स मीट' की मेजबानी के लिए पूरी तरह तैयार हैं। कार्यक्रम का शुभारंभ सुबह 9 बजे से होगा। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य देवास के छोटे बच्चों को एक जीवंत मंच प्रदान करना है, जहाँ वे आनंदमय और उत्साहजनक वातावरण में अपनी प्रतिभा, आत्मविश्वास और रचनात्मकता का प्रदर्शन कर सकें। 2 से 9 वर्ष की आयु के बच्चों के लिए आयोजित यह कार्यक्रम न सिर्फ मस्ती और उत्सव से भरा रहेगा बल्कि उन्हें बहुत कुछ सिखाएगा भी।

प्रतियोगिताओं को आयु के आधार पर विभिन्न समूहों में सोच-समझकर विभाजित किया गया है। ग्रुप A (2 वर्ष) और ग्रुप B (3 वर्ष): ये बच्चे 'हेल्दी एंड स्मार्ट बेबी कॉन्टेस्ट' में भाग लेंगे। इसमें स्वास्थ्य जांच, 'आउटफिट ऑफ द डे' और 'मूव विद द म्यूजिक' व 'मॉम एंड किड मैजिक वॉक' जैसे संगीत और गतिविधि आधारित प्रदर्शन शामिल होंगे। ग्रुप C (4-5 वर्ष): इस आयु वर्ग के बच्चे 'लिटिल चैंप कॉन्टेस्ट' में हिस्सा लेंगे, जिसमें संज्ञानात्मक और मोटर कौशल के परीक्षण के लिए सॉर्टिंग (छँटनी), कलरिंग और पहेली (पज़ल) सुलझाने जैसी गतिविधियाँ होंगी। ग्रुप D (6-7 वर्ष): ये बच्चे 'ब्रेन एंड बीट कॉन्टेस्ट' में शामिल होंगे, जिसमें गणित और भाषा कौशल परीक्षण, 'आर्ट स्पार्क' और चित्र-से-शब्द (पिक्चर-टू-वर्ड) अभ्यास कराए जाएंगे। ग्रुप E (8-9 वर्ष): इस समूह के बच्चे 'राइजिंग स्टार कॉन्टेस्ट' में अपनी प्रतिभा दिखाएंगे, जिसमें स्मार्ट माइंड असेसमेंट, हैंडराइटिंग प्रतियोगिता और ऊर्जावान 'डांस बैटल' शामिल हैं। ज्ञात रहे कि आयु की गणना 31 मार्च 2026 तक की जाएगी। प्रत्येक समूह में अंतिम विजेताओं का चयन सभी गतिविधियों में उनके समग्र प्रदर्शन के आधार पर किया जाएगा। उत्साह को बढ़ाने के लिए, कार्यक्रम में बच्चों और अभिभावकों के आनंद के लिए गेम स्टॉल, एक्टिविटी और क्रिएटिविटी कॉर्नर, थीम-आधारित सेल्फी पॉइंट और खाने-पीने के स्टॉल भी होंगे। 50,000 से अधिक की पुरस्कार राशि के साथ, 'टाइनी टैलेंट्स मीट' बच्चों की प्रतिभा और आत्मविश्वास को बढ़ाने का वादा करता है। कार्यक्रम के लिए प्रति प्रतिभागी रू. 150 का पंजीकरण शुल्क निर्धारित किया गया है। सभी प्रतिभागियों को उपहार दिया जाएगा, जिससे यह अनुभव हर बच्चे के लिए पुरस्कृत और उत्साहजनक बन सके।

शासन की घोषणा के बावजूद आज तक नहीं बना श्रमिक विश्राम भवन

देवास। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने प्रदेश के नागरिकों के कल्याण के लिए अनेक योजनाओं का संचालन करने के संदर्भ में अनेक घोषणाएं की थी उनमें एक घोषणा श्रमिकों के विश्राम के लिए श्रमिक विश्रामगृह बनाने का प्रस्ताव 2024 में किया गया था जिसके तहत कहा गया था कि प्रदेश के 17 नगर निगम में श्रमिक विश्रामगृह बनाए जाएंगे जहां श्रमिक और उनके परिवारों को ठहरने की सुविधा मिल सकेगी यहां तक की श्रमिकों के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से श्रमोदय आवासीय विद्यालय बनाने का भी प्रस्ताव था ।

कांग्रेस नेता सुधीर शर्मा ने बताया कि मुख्यमंत्री की घोषणा के 2 वर्ष होने के उपरांत आज तक देवास में श्रमिकों के विश्राम के लिए कोई विश्रामालय का निर्माण नहीं किया गया है । जबकि देवास औद्योगिक शहर होने के नाते प्राथमिकता से श्रमिकों के लिए श्रमिक विश्राम वाले अभी तक बन जाना था।इस संदर्भ में जब श्रम विभाग के अधिकारी से बात हुई तो उन्होंने कहा कि बालगढ़ स्थित कबीट नगर में भवन बनाना प्रस्तावित है लेकिन अभी कोई काम शुरू नहीं हुआ है यह काम पीडब्ल्यूडी को करना है ।

नगर निगम में इस संदर्भ में चर्चा की गई तो बताया गया कि हमारे पास रेन बसेरा है जिसमें 25-25 लोगों के ठहरने की व्यवस्था है श्रमिकों के संदर्भ में विश्रामालय की कोई व्यवस्था नहीं है।

इस संदर्भ में श्री शर्मा ने मांग की है कि प्रदेश सरकार इंदौर भोपाल जबलपुर सागर में श्रमिकों के लिए विश्रामगृह का निर्माण कर रही है तो फिर देवास तो औद्योगिक शहर है इसमें क्यों नहीं कांग्रेस की मांग है कि प्रदेश सरकार शीघ्र ही श्रमिकों के हित में निर्णय लेते हुए जो घोषणा की है तो श्रमिक विश्रामगृह एवं श्रमिक विद्यालय की स्थापना शीघ्र करें।

टैंडर के लिए नगरपालिका के पास फरवरी तक का समय, अभी दो महीने एक्सटेंशन पर चल रही कचरा गाड़ियां

जल्द नहीं हुए टैंडर तो बंद हो सकती है कचरा गाड़ियां

बैतूल। डोर-टू-डोर कचरा गाडियों का टैंडर खत्म हो गया है। नगरपालिका फिलहाल उसी कंपनी का दो महीने यानि फरवरी तक एक्सटेंशन बढ़ाकर गाडियां चलवा रही है, ऐसे में जल्द ही टैंडर आमंत्रित नहीं किये गये तो कचरा गाडियों के पहिये थम भी सकते है। दरअसल शहर में कचरे का कलेक्शन डोर-टू-डोर किया जाता है। इसमें कचरा कलेक्शन करने वाली गाडियां सीधे वार्डों में पहुंचती है और इनमें घर-घर से कचरा डाला जाता है। कचरा गाडियां एकत्रित किया गया कचरा ट्रेचिंग ग्राउंड पर पहुंचा देती है। इससे फायदा यह होता है कि शहर में जगह-जगह कचरे का ढेर नहीं लगता और न ही गंदगी फैलती है। लोगों ने भी अब अपनी आदतें बदल ली है और वे भी घर से निकलने वाला कचरा मोहल्ले में कहीं भी फेंकने के बजाय उसे जमा करके रखते हैं और सुबह कचरा वाहन के आते ही उसमें डाल देते हैं। बता दे कि जब डोर-टू-डोर कचरा कलेक्शन शुरू हुआ था तो सबसे पहले 22 गाडियों से शुरुआत हुई थी। हालाकि अब गाडियों की संख्या बढ़कर करीब 40 हो चुकी है। पहले वार्डों से कम गाडियां होने पर रोजाना गाडियां वार्डों में नहीं पहुंच पाती थी, लेकिन अब रोजाना वार्डों में गाडियां पहुंच रही है। यह जरूर है कि वार्ड के कुछ क्षेत्रों में एक दिन और कुछ क्षेत्रों में दूसरे दिन पहुंच रही है।

खत्म हो चुकी है कंपनी की अवधि- डोर-टू-डोर कचरा कलेक्शन की व्यवस्था

कई सालों से चल रही है। जिसकी वजह से लोगों की आदत में बदलाव आया है। लोग अब कचरा गाडियों में ही कचरा डालने के आदी हो चुके है। लेकिन अब कचरा गाडियों का ठेका खत्म हो चुका है। बताया जा रहा है कि डोर-टू-डोर कलेक्शन कर रही कंपनी का ठेका अवधि 24 दिसंबर 2025 की ही समाप्त हो चुकी है। इसके बाद अभी तक नए टेंडर की प्रक्रिया भी शुरू नहीं हो पाई है। ठेका अवधि समाप्त होने के बाद कंपनी को दो महीने का एक्सटेंशन दिया गया है। यह एक्सटेंशन लगातार नहीं दिया जा सकता। ऐसे में नया टेंडर जरूरी है। अभी तक नया टेंडर नहीं होने से लोग यह कयास लगा रहे हैं कि निकट भविष्य में कहीं कचरा कलेक्शन व्यवस्था ठप न पड़ जाए।

हर महीने किया जाता था 35 लाख का भुगतान

डोर-टू-डोर कचरा कलेक्शन के लिए नगरपालिका द्वारा ठेका कंपनी को करीब 35 लाख रुपये की राशि का भुगतान हर महीने किया जाता है। हालांकि इस कार्य में नगरपालिका के कुछ कर्मचारियों की सेवाएं भी ली जाती है। ऐसे में उनके वेतन-भत्तों का भुगतान कंपनी को दी जाने वाली इस राशि में से ही किया जाता है। यह लगभग 8 लाख रुपये होती है। जानकारों का कहना है कि यह नपा पदाधिकारियों और अधिकारियों का फर्ज है कि वे शर्तों को सरल करें और राशि भी व्यवहारिक रूप से बढ़ाएं ताकि जल्द टेंडर हो सके और यह जरूरी व्यवस्था ठप न हो। यह सब जल्द करना भी जरुरी है क्योंकि टेंडर होने से लेकर वर्क आर्डर जारी करने और नई कंपनी द्वारा कार्य शुरू किए जाने में काफी समय लगता है। यहां तो यह प्रक्रिया शुरू ही नहीं हो पाई है।

दो बार बुलाने पर भी नहीं आया टेंडर

बताया जा रहा है कि नगरपालिका ने दो बार टैंडर बुलाये थे। नवंबर महीने में नगरपालिका 2 बार टेंडर बुला चुकी है, लेकिन यह ठेका लेने किसी ने रूचि ही नहीं दिखाई। यही कारण है कि दोनों बार में एक भी टेंडर नहीं आया। बताया जाता है कि बेहद कठिन शर्तें और राशि कम रखे जाने के कारण कोई यह ठेका नहीं लेना चाहता है। यही वजह है कि यह स्थिति बैतूल नगर पालिका में बन रही है। अब नगरपालिका के पास फरवरी तक का समय है। यदि फरवरी के पहले नगरपालिका को ठेकेदार नहीं मिला तो कचरा गाड़ियों का संचालन करना मुश्किल हो जायेगा और ऐसा होता है तो इसका असर शहर की सफाई व्यवस्था पर बढ़ेगा। वार्डो में कचरा गाड़ी नहीं पहुंचने से लोग फिर वार्डो में ही कचरा एकत्रित करना शुरू कर देगे। जिससे शहर फिर गंदा नजर आने लगेगा।

इनका कहना है -

टैंडर समाप्त हो चुका है। फिलहाल दो महीने फरवरी तक एक्सटेंशन बढ़ाया है। कचरा गाडियों के संचालन के लिए टैंडर बन चुका है। जल्द ही टैंडर का प्रकाशन कर दिया जायेगा।

- सतीश मटसेनिया, सीएमओ, नगरपालिका बैतूल

इंदौर को हराकर बालिका वर्ग ने जीता बास्केटबॉल टूर्नामेंट

बैतूल। पुलिस लाइन खंडवा में चौथी स्टेट लेवल बॉस्केटबॉल चैंपियन अंडर 19 वर्ग बालक-बालिका प्रतियोगिता का आयोजन 18 एवं 19 जनवरी को किया गया। इस प्रतियोगिता में बैतूल की बालक-बालिका दोनों टीमें सेमीफाइनल तक पहुंची। इसके बाद बैतूल की बालिका टीम ने फाइनल मुकाबले में इंदौर की शक्तशाली टीम को 57- 43 से हराकर फाइनल मुकाबले में शानदार जीत दर्ज कराई। इस टूर्नामेंट में अदिति यादव को प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का अवॉर्ड मिला। खंडवा जोन के डीआईजी मनोज राय ने विजेता टीम के खिलाड़ीयों एवं इसके कोच राकेश वाजपेयी को टॉफी एवं पुरस्कार प्रदान कर बधाई दी।

जिला आयुर्वेद चिकित्सालय टिकारी में पंचकर्म सुविधा शुरू, निःशुल्क उपचार उपलब्ध

बैतूल। आयुष विभाग अंतर्गत जिला आयुर्वेद चिकित्सालय, टिकारी में पंचकर्म चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई गई है। यहां अनुभवी पंचकर्म विशेषज्ञ डॉ. नरेंद्र डडोरे की निगरानी में मरीजों को पंचकर्म उपचार दिया जा रहा है। आवश्यकता पडने पर मरीजों के लिए भर्ती एवं भोजन की सुविधा भी चिकित्सालय में उपलब्ध है। सर्दियों के मौसम में ठंड के प्रभाव से जोड़ों, हड्डियों, संधियों और स्नायु तंत्र से जुड़े पुराने दर्द उभर आते हैं। ऐसे में आयुर्वेद में पंचकर्म चिकित्सा को सबसे प्रभावी उपचार माना गया है, जिससे शरीर के भीतर जमा दोषों का शोधन कर दर्द से राहत दिलाई जाती है। आधुनिक जीवनशैली के कारण आज सर्वाइकल, कमर स्पॉन्डिलाइटिस, संधिवात, स्लिप डिस्क जैसी बीमारिया आम हो गई हैं। आयुर्वेद के अनुसार इन रोगों का उपचार पंचकर्म पद्धति से सफलतापूर्वक किया जाता है। पंचकर्म के माध्यम से शरीर के वात, पित्त और कफ दोषों को संतुलित किया जाता है। पंचकर्म चिकित्सा के अंतर्गत वमन, विरेचन, बस्ति, नस्य और रक्तमोक्षण जैसी प्रक्रियाए अपनाई जाती हैं।

पूरी गंभीरता से योजनाओं का क्रियान्वयन कराएं, विकास कार्य समय पर पूर्ण किए जाएं : कलेक्टर

प्रगति नहीं लाने पर जनपद सीईओ के विरुद्ध होगी कठोर कार्यवाही

बैतूल। कलेक्टर बैतूल नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने गुरुवार को पंचायत एवं ग्रामीण विकास अंतर्गत संचालित कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अक्षत जैन सहित सभी जनपद सीईओ उपस्थित रहें। उन्होंने सभी जनपद सीईओ और जनपद के लेखा अधिआरियों को सख्त हिदायत दी कि जल संरचनाओं, एक बगिया मां के नाम इत्यादि कार्यों के तहत प्राप्त आवंटन का व्यय लंबित न रहें। डीडीओ क्रिएटर लॉगिन पर लंबित राशि का भी समय पर आहरण किया जाए। आगमी जल संरक्षण के कार्यों के लिए भी साइट सिलेक्शन का काम भी प्राथमिकता से पूर्ण कर निर्धारित पोर्टल पर दर्ज कराए। बैठक में कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने एक बगिया मां के नाम अभियान के तहत पोल फैंसिंग, जलकुंड और नाडेप इत्यादि कार्यों की जनपदवार समीक्षा कर सभी जनपद

सीईओ को अपूर्ण कार्यों को जल्द पूर्ण करने की सख्त हिदायत दीं। उन्होंने कार्यों में संतोषजनक प्रगति नहीं देखते हुए सभी अकाउंट ऑफिसर और सभी मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत के अवकाश पर प्रतिबंध लगाने के निर्देश दिए। प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण अंतर्गत प्राप्त लक्ष्य के विरुद्ध जारी किश्तों तथा पूर्णतः की स्थिति की समीक्षा कर पूर्णतः में संतोष जनक प्रगति नहीं होने पर कलेक्टर ने नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने सख्त निर्देश दिए कि 25 जनवरी तक प्रगति नहीं लाने पर सभी जनपद सीईओ के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही व निलंबन का प्रस्ताव प्रेषित किया जाएगा। उन्होंने सभी जनपद के एओ और ब्लॉक कॉर्डिनेटर को भी एक माह का अवैतनिक करने का नोटिस भी जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने सख्त निर्देशित किया अपूर्ण आवासों को शीघ्र पूर्ण किया जाए।

कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने कहा कि सभी जनपदों में संकल्प से समाधान अभियान का प्रभावी क्रियान्वयन कर सभी योजनाओं में सेचुरेशन लाया जाएं। धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत चिन्हित 554 ग्रामों में शत प्रतिशत पात्रों को लाभान्वित कराए। उन्होंने जल जीवन मिशन की भी समीक्षा कर हर घर जल सर्टिफाइड की कार्यवाही शीघ्र पूर्ण कराने के लिए सभी जनपद सीईओ को निर्देशित किया। उन्होंने निर्देशित किया कि समग्र अभियान, जन्म मृत्यु प्रमाण पत्र इत्यादि जनहित के कार्यों में भी गति लाएं। अनुग्रह सहायता के लंबित प्रकरणों का प्राथमिकता से निराकरण किया जाएं। संबल योजना में प्राप्त आवंटन का भी उपयोगिता प्रमाण पत्र उपलब्ध कराए। उन्होंने निर्माण कार्यों को भी गुणवत्ता पूर्ण रूप से पूर्ण कराने के निर्देश दिए। बैठक में सभी जनपद के लेखा अधिकारी, ब्लॉक कॉर्डिनेटर सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहें।

स्थाई शिक्षा समिति की बैठक 28 को

बैतूल। जिला पंचायत स्थाई शिक्षा समिति की बैठक 28 जनवरी को दोपहर 12 बजे से जिला पंचायत कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित की गई है। सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग विवेक कुमार पांडे ने बताया कि बैठक में शाला में गणवेश वितरण, मध्यान्ह भोजन, जिले में संचालित छात्रावासों की जानकारी एवं संचालन पर चर्चा की जाएगी। वहीं परीक्षा फल एवं शिक्षा गुणवत्ता और शाला के समय पर संचालन की चर्चा, शिक्षक विहीन शालाओं में शिक्षक की व्यवस्था पर चर्चा होगी। साथ ही हाईस्कूल एवं हायर सेकेण्डरी शालाओं में विषयवार रिक्त शिक्षकों की कमी होने पर अतिथि शिक्षकों की व्यवस्था पर चर्चा के साथ निःशुल्क पाठ्य पुस्तक एवं वितरण की समीक्षा की जाएगी। इसके अलावा स्कूल चले हम अभियान, नि शुल्क साइकिल वितरण की समीक्षा भी की जाएगी।

जन अभियान सही मायनों में जन-जन का अभियान है : विधायक

शिविर में जरूरतमंद मरीजों के लिए 30 यूनिट हुआ रक्तदान

बैतूल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के आह्वान पर मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा ग्रामोदय से अभ्युदय मध्य प्रदेश अभियान चलाया जा रहा है, जिसमें जिला स्तरीय, विकासखंड स्तरीय, सेक्टर स्तरीय एवं पंचायत स्तरीय कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में गुरुवार को प्रभात पट्टन के सेक्टर क्रमांक 2 के ग्राम पंचायत वायगांव में सेक्टर स्तरीय कार्यक्रम एवं रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के उपाध्यक्ष एवं राज्य मंत्री दर्जा प्राप्त मोहन नागर द्वारा राम मंदिर में पूजन अर्चन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। अतिथियों के स्वागत के पश्चात विकासखंड समन्वयक राधा बरोदे द्वारा ग्रामोदय से अभ्युदय मध्यप्रदेश अभियान के संबंध में विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की गई। प्रदेश उपाध्यक्ष मोहन नागर ने कहा कि ग्रामोदय से अभ्युदय मध्यप्रदेश अभियान अंतर्गत मध्यप्रदेश के 55 हजार ग्रामों तक शासन की योजनाओं को पहुंचाना इस अभियान का लक्ष्य है। जन अभियान परिषद द्वारा अनेक कार्यक्रमों का आयोजन ग्राम स्तर पर किया जा रहा है। प्रत्येक ग्राम आत्मनिर्भर बने, प्राकृतिक खेती की ओर बडे, गौधन को बढावा दे व खेती की लागत कम करें। खेती के साथ-साथ आय के अन्य साधनों को भी बढाए, ग्राम में संस्कार केंद्र व जन सूचना केंद्रों का संचालन हो और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में भी कार्य करने की आवश्यकता है।

गांव-गांव तक पहुंच रही जन अभियान की टीम- विशेष अतिथि विधायक चंद्रशेखर देशमुख ने कहा कि जन अभियान परिषद शासन के हर अभियान को सफल बनाने के लिए सतत कार्य करता है। जन अभियान की टीम गांव-गांव तक पहुंच कर शासन की योजनाओं व समाज सेवा के भाव को युवाओं में जागृत करने का कार्य करती है। संभाग समन्वयक कौशलेश प्रताप तिवारी द्वारा रक्तदान शिविर का शुभारंभ किया गया। इस दौरान उन्होंने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि आप समाज में सकारात्मक परिवर्तन के अग्रदूत बने और सोशल मीडिया के नकारात्मक प्रभाव से बचें। डॉ. अंकिता सीते ने कहा कि रक्तदान मानव सेवा का सबसे अच्छा अवसर है। जरूरतमंदों की मदद करें व अधिक संख्या में रक्तदान करें। रक्तदान शिविर में 30 से अधिक यूनिट रक्तदान हुआ। कार्यक्रम में मुख्य रूप से भास्कर मागरदे, जनपद सदस्य प्रफुल्ल ठाकरे, जनपद सदस्य नितेश काले, जनपद सदस्य श्रीमती जयश्री पाटणकर, सरपंच हिवरखेड विश्वनाथ धोटे, सरपंच बिसनुर श्रीमती प्रियंका ठाकरे, सरपंच शिरडी बाली महाले, नवांकुर अध्यक्ष पंढरीनाथ पाटणकर, सचिव भोजराज पाटणकर, कमलेश अधवारे, परामर्शदाता वीरेंद्र सूर्यवंशी, नितेश सोलंकी, रोशन लोखंडे, माधोराव कापसे, प्रियंका ठाकरे, सीएमसीएलडीपी छात्र, प्रस्फुटन समिति सदस्यों के अलावा बड़ी संख्या में ग्रामवासियों की सहभागिता रही।

ग्राम कामती में दिग्विजयसिंह आदिवासियों से संवाद करेंगे आज

हीरालाल गोलानी, सोहागपुर। सोहागपुर विधानसभा मुख्यालय के समीपवर्ती आदिवासी ग्राम कामती रंगपुर में पूर्व मुख्यमंत्री एवं सांसद दिग्विजयसिंह क्षेत्र के आदिवासियों मातृशक्ति एवं नागरिकों से सीधा संवाद करेंगे। उल्लेखनीय है कि सोहागपुर विधानसभा के अस्तित्व में आने के बाद भाजपा के विजयपालसिंह ने विजय हासिल करके भाजपा के लिए अजेय बना दिया है। लेकिन गत विधानसभा चुनाव में उनकी विजय करीबन दो हजार मतों हुई थी। हाल ही में सोहागपुर विधानसभा के माखननगर में मुख्यमंत्री मोहन यादव का आगमन हुआ था। जिसमें भारी संख्या में जन-समुदाय उपस्थित था। हाल ही में प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने सोहागपुर ब्लाक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष

की बागडोर जूझारू भटगांव सरपंच सुधीर सिंह ठाकुर को सौंपा दी है। श्री ठाकुर राजा साहब के काफी करीबी हैं। संभावना है कि उक्त आयोजन आगामी विधानसभा में कछुआ चाल चलकर कांग्रेस को विजयश्री बनाने की ओर पहले कदम की तरफ देखा जा रहा है। हालांकि अभी विधानसभा चुनाव होने में काफी समय है। देखना होगा कि आगामी चुनाव काफी दिलचस्प होने से इन्कार नहीं किया जा सकता। ब्लाक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष सुधीर सिंह ठाकुर एवं नगर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष प्रशांत जायसवाल ने बताया कि पूर्व मुख्यमंत्री एवं सांसद दिग्विजयसिंह 23 जनवरी को दोपहर 01 बजे ग्राम कामती रंगपुर में हमारे आदिवासी भाई-बहनों से सीधा संवाद करेंगे, मनरेगा बचाओ एवं ग्राम पंचायत कांग्रेस कमेटी के संगठनात्मक समीक्षा बैठक करके कार्यकर्ताओ का मार्गदर्शन करेंगे। आपने नागरिकों से कार्यक्रम में शामिल होने की अपील की है।

संकल्प से समाधान के अंतर्गत आयोजित शिविरों में अधिकारी गण भ्रमण कर फीडबैक लेवे : कमिश्नर

● राजस्व प्रकरणों के निराकरण में उच्च गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए कमिश्नर ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में सभी कलेक्टर्स को दिए निर्देश

नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम संभाग कमिश्नर श्री कृष्ण गोपाल तिवारी ने आयोजित वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में सभी कलेक्टर्स को निर्देश दिए कि वह शासन की विभिन्न योजनाओं एवं सेवाओं में हितग्राहियों को लाभ प्रदान करने हेतु शासन द्वारा प्रारंभ किए गए संकल्प से समाधान अभियान जो 12 जनवरी से प्रारंभ किया गया है और 31 जनवरी 2026 तक आयोजित किया जाएगा।

इस अभियान अंतर्गत आयोजित शिविरों में कलेक्टर एवं सभी संबंधित अधिकारी भ्रमण कर जनता से फीडबैक अवश्य लेवे। कमिश्नर ने निर्देश दिए कि शिविरों में प्राप्त सभी आवेदनों का संतुष्टि पूर्वक निराकरण किया जाए। बताया गया कि अब तक नर्मदापुरम जिले में 1013 आवेदन, हरदा में 737 एवं बैतूल में 363 आवेदन प्राप्त हुए हैं। कमिश्नर ने आरसीएमएस पोर्टल पर राजस्व प्रकरणों के पंजीयन एवं निराकरण की अदयतन स्थिति की समीक्षा की।

राजस्व अभिलेखों के डिजिटाइजेशन के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने एग्री स्टेक डाटा फार्मर रजिस्ट्री के कार्य को उच्च प्राथमिकता पर रखने के निर्देश दिए। कमिश्नर ने कहा कि नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन रास्ता का विवाद, अभिलेख दुरुस्ती करण से संबंधित प्रकरणों का संतोष प्रद और संतुष्टि पूर्वक निराकरण किया जाए। उन्होंने सीमांकन एवं बंटवारा नामांकन के प्रकरणो का निराकरण उच्च क्वालिटी से करने के निर्देश दिए और कहां की सभी तहसीलदार ऐसे प्रकरणों में पक्षकारों को बुलाकर उनका पक्ष सुने, पक्षकारों को नोटिस एवं अखबार में इश्तहार का प्रकाशन अनिवार्य रूप से करें। पक्षकारों को निर्णय की सूचना देवे। उन्होंने कहा कि हर हाल में पक्षकारों को सुना जाए। कमिश्नर ने कहा कि न्याय करे तो वह दिखना भी चाहिए।

कमिश्नर ने निर्देश दिए की तहसीलदार एवं एसडीएम के रीडर की आईडी एवं पीओ की आईडी पर कोई भी राजस्व प्रकरण पेंडिंग ना रहे। सभी प्रकरणों का निराकरण समय सीमा में किया जाए, साथ ही सभी प्रकरण ऑनलाइन ही लिए जाएं कोई भी प्रकरण ऑफलाइन ना लिया जाए। कमिश्नर ने जिले से संबंधित महत्वपूर्ण स्वास्थ्य संकेतको जैसे सीवीयर एवं मोडरेट एनेमिक गर्भवती महिलाओं के प्रबंधन की उचित देखभाल एवं प्रगति की स्थिति की समीक्षा की एवं निर्देश दिए की मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी उक्त 13 पैरामीटर की प्रतिदिन मॉनिटरिंग करें और कलेक्टर को भी प्रतिदिन प्रगति से अवगत कराए। कमिश्नर ने महिलाएं एवं बाल विकास विभाग से संबंधित पोषण ट्रैकर एप एवं जिला एनएफएचएस 5 के आंकड़ों में अंतर आने की समीक्षा की और निर्देश दिए कि आंकड़ों में कोई अंतर ना रहे। उन्होंने 03 से लेकर 06 वर्ष के बच्चों की माह में 21 दिन आंगनबाड़ी केन्द्रों में उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही निर्देश दिए कि यदि कोई बच्चा स्कूल जाना चाहता है तो पोर्टल पर स्कूल गोइंग बच्चों के रूप में उसकी एंट्री की जाए। उन्होंने जिला कार्यक्रम अधिकारियों एवं सभी सीडीपीओ को निर्देश दिए कि वे अपनी विभागीय योजनाओं की बेहतर तरीके से मॉनिटरिंग करें। कमिश्नर ने कहा कि राजस्व, महिला बाल विकास विभाग, स्वास्थ्य विभाग एवं शिक्षा विभाग शासन के महत्वपूर्ण और आम जन जीवन से जुड़े विभाग हैं इसलिए इनकी समीक्षा हमेशा की जाएगी। कमिश्नर श्री तिवारी ने राजस्व तथा पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग अंतर्गत कर्मचारियों के लंबित ई ऑफिस आईडी बनाने के निर्देश दिए और कहां की सभी कर्मचारियों की लंबित आईडी बनाई जाए। उन्होंने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण अंतर्गत लॉजिकल डिस्क्रिपेंसी अन मैप्ड मतदाताओं को नोटिस देने, दस्तावेज संकलन एवं उनके सत्यापन कार्य की प्रगति की स्थिति की समीक्षा की और कहा कि यदि कोई मतदाता आवश्यक डॉक्यूमेंट प्रस्तुत नहीं कर पा रहा है तो एकदम से उसका नाम मतदाता सूची से ना हटाया जाए अपितु संबंधित बीएलओ उसके डॉक्यूमेंट ढूंढने में आवश्यक सहयोग करें। उसके बाद ही कोई कार्रवाई सुनिश्चित करें। कमिश्नर ने नर्मदा परिक्रमा पथ पर सुविधाओं के विकास के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए। बताया गया की नर्मदापुरम जिले में नर्मदा पथ में 17 में से 11 जगह प्लांटेशन का कार्य कराया गया है और नर्मदा परिक्रमा वासियों के लिए आवश्यक सुविधाओं का निर्माण कार्य प्रारंभ कराया जा रहा है। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के दौरान नर्मदापुरम कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना, हरदा कलेक्टर श्री सिद्धार्थ जैन, बैतूल कलेक्टर श्री नरेंद्र सूर्यवंशी ऑनलाइन एवं संयुक्त आयुक्त विकास श्री जी सी दोहर, संयुक्त संचालक महिला बाल विकास श्रीमती तृप्ति त्रिपाठी, अधीक्षण यंत्री लोक स्वास्थ्य यात्रिकी श्रीमती मंजू सिंह सहित अन्य संभागीय अधिकारी गण ऑफलाइन उपस्थित रहे।

सतपुड़ा टाइगर रिज़र्व से 27 गौर का द्वितीय चरण में स्थानांतरण

नर्मदापुरम (निप्र)। क्षेत्र संचालक सतपुड़ा टाइगर रिज़र्व नर्मदापुरम ने बताया कि मध्यप्रदेश वन विभाग द्वारा वन्यजीव संरक्षण एवं पारिस्थितिक संतुलन को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया जा रहा है। सतपुड़ा टाइगर रिज़र्व से बांधवगढ़ टाइगर रिज़र्व में गौर के पुनर्स्थापन हेतु कुल 50 गौरों के स्थानांतरण की योजना को दो चरणों में क्रियान्वित किया जा रहा है। इस कार्यक्रम के प्रथम चरण में वर्ष 2024 से 2025 में कुल 23 गौर का सफलतापूर्वक स्थानांतरण किया जा चुका है।

अब द्वितीय चरण के अंतर्गत शेष 27 गौर को बांधवगढ़ टाइगर रिज़र्व में स्थानांतरित किया जाना प्रस्तावित है। यह कदम बांधवगढ़ परिदृश्य में शाकाहारी प्रजातियों की संख्या बढ़ाने, खाद्य-श्रृंखला को सुदृढ़ करने तथा दीर्घकालिक पारिस्थितिक संतुलन स्थापित करने की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। स्थानांतरण की समस्त प्रक्रिया वैज्ञानिक प्रोटोकॉल, वन्यजीव विशेषज्ञों की निगरानी तथा भारत सरकार एवं राज्य सरकार द्वारा निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुरूप की जाएगी। चयनित गौर पूर्णतः स्वस्थ हैं तथा स्थानांतरण के दौरान उनकी सुरक्षा, स्वास्थ्य परीक्षण, ट्रैकिंग एवं पश्च-रिलीज़ निगरानी की समुचित व्यवस्था की गई है। सतपुड़ा टाइगर रिज़र्व गौर संरक्षण में एक सशक्त स्रोत क्षेत्र के रूप में उभरकर सामने आया है, और यहां से गौर का स्थानांतरण प्रदेश के अन्य वनों में जैव-विविधता को पुनर्जीवित करने में सहायक सिद्ध हो रहा है। यह कार्यक्रम मध्यप्रदेश को गौर संरक्षण एवं प्रबंधन के क्षेत्र में एक आदर्श राज्य के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

संक्षिप्त समाचार

कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ग्राम चिकलोदखुर्द में आयोजित शिविर में हुए शामिल

रायसेन (निप्र)। जिले की औबेदुल्लागंज जनपद पंचायत की ग्राम पंचायत चिकलोदखुर्द में आयोजित शिविर में कलेक्टर श्री अरूण कुमार विश्वकर्मा सम्मिलित हुए तथा ग्रामीणों से संवाद किया।कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने ग्रामीणों से शासन की योजनाओं का लाभ मिलने के बारे में जानकारी लेते हुए कहा कि संकल्प से समाधान अभियान के तहत आयोजित किए जा रहे शिविर में केन्द्र एवं राज्य शासन की हितग्राहीमूलक योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों को प्रदान किया जा रहा है। ग्रामीण स्वयं भी पात्रतानुसार शासन की योजनाओं का लाभ लेने के लिए आगे आएं। उन्होंने कहा कि संकल्प से समाधान अभियान अंतर्गत ग्रामों में आयोजित शिविरों के माध्यम से हितग्राहियों को उनकी पात्रतानुसार लाभ प्रदान करने हेतु डोर टू डोर आवेदन प्राप्त किए जा रहे है तथा शिविर भी लगाए जा रहे हैं। पंचायत स्तर पर प्राप्त आवेदनों का निराकरण संबंधित विभागों द्वारा किया जा रहा है। इसके बाद कलस्टर स्तर पर आयोजित शिविरों में निराकरण से शेष आवेदनों तथा नवीन आवेदनों का निराकरण करने की कार्यवाही की जाएगी। कलस्टर लेवल पर निराकरण से शेष आवेदन विकासखण्ड स्तर पर आयोजित शिविर में निराकरण के लिए रखे जाएंगे, इसके साथ ही नवीन आवेदन भी प्राप्त किये जायेगे, जिला स्तर पर आयोजित कार्यक्रम के माध्यम से हितग्राहियों को लाभ का वितरण किया जायेगा। इस अवसर पर स्थानीय जनप्रतिनिधि और अधिकारी भी उपस्थित रहे।

योजनाओं एवं नवाचारों की जानकारी देने के लिए संचालित किया जा रहा है कृषि रथ

सीहोर (निप्र)। कलेक्टर श्री बालागुरू के. के निर्देशानुसार कृषि वर्ष 2026 के तहत किसानों को कृषि से जुड़ी नवीन तकनीक, योजनाओं एवं नवाचारों की जानकारी देने के उद्देश्य से प्रदेश के साथ ही सीहोर जिले में भी कृषि रथ संचालित किया जा रहा है। कृषि रथ के माध्यम से किसानों को जैविक खेती, प्राकृतिक खेती, मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना, उन्नत बीज एवं कीट-रोग प्रबंधन, फसल विविधीकरण, कृषि आधारित उद्यमिता, ई-तकनीक से जुड़ी योजनाएं तथा पराली प्रबंधन जैसी जानकारियां दी जा रही है। इसी क्रम में यह कृषि रथ यात्रा 20 जनवरी को सीहोर जनपद के ग्राम बरखेड़ा, बरखेड़ी दोराहा एवं पाटन पहुँची। इस अवसर पर ग्राम पंचायत पाटन में कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कृषि उप संचालक श्री अशोक कुमार उपाध्याय द्वारा किसानों को सूक्ष्म सिंचाई योजनांतर्गत स्प्रिंकलर एवं पाइप लाइन के लाभ और उनकी ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही कृषि यंत्रों जैसे पावर स्प्रे एवं कुटी मशीन हेतु ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया से किसानों को अवगत कराया गया। इस दौरान नरवाई प्रबंधन के महत्व एवं पर्यावरण संरक्षण में इसकी भूमिका के बारे में भी किसानों को जागरूक किया गया। कार्यक्रम में श्री कमलसिंह ठाकुर, श्री करण सिंह लवाना, श्री अभिषेक मुकाती, श्री लाडसिंह बकोडिया, श्री गजेन्द्र मालवीय, श्री देवप्रकाश वर्मा और श्री राकेश पटेल सहित किसान उपस्थित थे।

आशा कार्यकर्ता एवं एएनएम की समझाईश पर गर्भवती महिला ने दिया स्वस्थ बेटे को जन्म

नर्मदापुरम (निप्र)। इटारसी के वार्ड 16 क्रमांक की गर्भवती महिला ज्योति गौर (पति राजू गौर) की दूसरी डिलीवरी होनी थी। पहली डिलीवरी नॉर्मल होने के कारण महिला और उसके पति ने दूसरी डिलीवरी भी नॉर्मल चाही थी। हालांकि, नवा महीना पूरा होने पर जब दर्द नहीं आया, तो सोनोग्राफी करवाई गई। रिपोर्ट में पता चला कि महिला के पेट में बच्चे के आसपास पानी की कमी हो गई है और उसका ब्लड प्रेशर भी बढ़ा हुआ था। तत्संबंध में डॉ. टिकारिया ने तुरंत सरकारी अस्पताल में भर्ती होने की सलाह दी, लेकिन पति राजू गौर ने शुरुआत में मना कर दिया। आशा कार्यकर्ता रीता तिवारी और एएनएम ने महिला और उसके पति को समझाया कि मां और बच्चे को खतरा हो सकता है। कई बार समझाने के बाद वे सरकारी अस्पताल में भर्ती होने के लिए राजी हुए। इटारसी के सरकारी अस्पताल में डॉ. टिकारिया ने ऑपरेशन से डिलीवरी करवाई, जिसमें एक स्वस्थ बेटे का जन्म हुआ। बच्चे का वजन 2 किलो 800 ग्राम है। डिलीवरी के बाद मां और बच्चा दोनों सुरक्षित हैं।

ज्ञान से समृद्धि की ओर कदम -

कृषकों ने करनाल में किया राष्ट्रीय गेहूं अनुसंधान संस्थान का भ्रमण

विदिशा (निप्र)। आत्मा परियोजना के अंतर्गत राज्य के बाहर कृषक भ्रमण कार्यक्रम के दौरान आज विदिशा जिले के कृषकों ने हरियाणा के करनाल स्थित राष्ट्रीय गेहूं एवं जौ अनुसंधान संस्थान का शैक्षणिक एवं प्रेरणादायक भ्रमण किया। इस भ्रमण का उद्देश्य कृषकों को आधुनिक कृषि तकनीकों, उन्नत बीज किस्मों तथा वैज्ञानिक खेती की नवीन जानकारी से अवगत कराना रहा। संस्थान में विशेषज्ञ वैज्ञानिक डॉ. मंगल सिंह द्वारा कृषकों को गेहूं की उन्नत एवं उच्च उत्पादन क्षमता वाली किस्मों की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। साथ ही फसलों के प्रक्षेत्र (डेमो प्लॉट) का भ्रमण कराते हुए बीज चयन, उर्वरक प्रबंधन, रोग नियंत्रण एवं उत्पादन बढ़ाने की वैज्ञानिक विधियों को सरल भाषा में समझाया गया। इस अवसर पर विदिशा जिले के विभिन्न विकासखंडों से आए कृषकों के साथ जिला पंचायत सदस्य श्री रामनरेंद्र सिंह भी उपस्थित रहे। उन्होंने कृषकों को इस प्रकार के अध्ययन भ्रमणों को अपनाकर नवाचारों को अपने खेतों में लागू करने हेतु प्रेरित किया।कृषक भ्रमण कार्यक्रम विदिशा जिले के किसानों के लिए ज्ञान, अनुभव और आत्मविश्वास बढ़ाने का सशक्त माध्यम सिद्ध होगा।जिससे वे उन्नत तकनीकों को अपनाकर कृषि उत्पादन एवं आय में वृद्धि की दिशा में सार्थक कदम सुगमता से उठा सकेंगे। किसान कल्याण एवं कृषि विकास विभाग के उप संचालक श्री केएस खपड़िया ने बताया कि प्रशिक्षित कृषक दल 23 जनवरी को वापस विदिशा आएगा। सब मिशन ऑन एग्रीकल्चर एक्सटेंशन ष्आत्माष् वर्ष 2025-26 अंतर्गत राज्य के बाहर कृषक भ्रमण कार्यक्रम तहत जिला विदिशा से भ्रमण एवं अवलोकन हेतु नोडल अधिकारी श्री अशोक रघुवंशी, ए.टी.एम, विकासखण्ड विदिशा के साथ जिले से कुल 21 कृषकों का पांच दिवसीय भ्रमण कार्यकम आयोजित किया गया है।

खेलों एमपी यूथ गेम्स वर्ष 2025-26 के तहत जिला स्तरीय प्रतियोगिता आयोजित

बैतूल (निप्र)। मध्यप्रदेश शासन खेल और युवा कल्याण विभाग द्वारा 'खेलों एमपी यूथ गेम्स वर्ष 2025-26 के तहत जिला स्तरीय प्रतियोगिता 19 जनवरी को पुलिस ग्राउंड बैतूल में आयोजित की गई। प्रतियोगिता के शुभारंभ अवसर पर मुख्य अतिथि जिला विकास सलाहकार समिति सदस्य श्री सुधाकर पंवार, विशेष अतिथि जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री हंसराज धुर्वे, श्री अतीत पंवार, खेल प्रमोटर, श्री हेमंत चंद दुबे, श्री रमेश भाटिया, श्री इन्द्रसेन ठाकुर, श्री जगेन्द्र तोमर, श्री मुकेश वर्मा उपस्थित थे।

मुख्य अतिथि ने अपने उद्बोधन माध्यम से बच्चों को खेल के माध्यम से अपना शारीरिक एवं मानसिक विकास करने के लिए प्रेरित किया। जिला खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी श्रीमती पूजा कुरील ने बताया कि जिला स्तरीय प्रतियोगिता में विभिन्न खेलों जैसे हॉकी, फुटबॉल, वॉलीबॉल, कबड्डी, रस्साकशी, पिट्ठू, खो-खो, बैडमिंटन, शतरंज, योगासन, एथलेटिक्स, बॉक्सिंग, जूडो, कुश्ती मलखम्ब, टेबल टेनिस एवं टेनिस, बास्केटबॉल खेलों में प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता के समापन अवसर पर पुरस्कार वितरण श्री आदित्य बबला शुक्ला, श्री आनंद गिरी, सुश्री नीलिमा पीटर क्रीड़ा अधिकारी, श्री अर्जुन सिंह ठाकुर की उपस्थिती में सभी विजेता और उपविजेता खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया गया। समापन अवसर पर श्री शुक्ला द्वारा खिलाड़ियों को निरोगी काया खेल के लिए जरूरी बताया। कार्यक्रम श्री रामनारायण शुक्ला संचालन व्यवस्था में किया गया। जिला खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी श्रीमती कुरील ने बताया कि शेष प्रतियोगिताएं खिलाड़ी खेलो एमपी यूथ गेम्स के संभाग एवं राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में शामिल होगे। प्रतियोगिता में जिला शिक्षा विभाग एवं खेल संघों के संयुक्त समन्वयक से विकासखण्ड स्तरीय चयन स्पर्धा एवं प्रतियोगिता का आयोजन विभिन्न स्थलों जैसे- पुलिस ग्राउंड खेल मैदान, लाल बहादुर शास्त्री स्टेडियम बैतूल, मेजर ध्यानचंद हॉकी स्टेडियम बैतूल, पीएमश्री जयवंती हॉस्कर महाविद्यालय बैतूल में आयोजित की गई। जिला स्तरीय प्रतियोगिता में 10 विकासखण्डों के चयनित प्रतिभागी सम्मिलित हुए। जिला स्तरीय प्रतियोगिता में श्री नितेश राजपूत द्वारा कार्यक्रम का आभार व्यक्त किया गया। आयोजन को सफल बनाने में श्री धर्मेन्द्र पंवार, श्रीमती रश्मि बाथरे, श्री गणेश बारस्कर, श्री सहदेव गव्हाड़े, श्री उमाकांत कोकाटे, श्री हरिभाऊ झरबड़े श्री बलदेव अरोरा, श्री प्रवीण यादव, सुश्री लक्ष्मी, श्रद्धा, सुश्री प्रिया पंवार, श्री निरंजन श्री रविकांत देशमुख, श्री रविन्द्र श्री सुजित वरकड़े, श्रीमती तरला उईके, श्री महेंद्र सोनकर, श्री तपेश साहू, श्री हेमंत विश्वकर्मा, श्री राधेलाल बनखेड़े, श्री शैलेन्द्र शर्मा, श्री अजय मिश्रा, श्री नरसिंग धुर्वे, श्री अब्दुल खान, श्री गुड्डू काकोडिया, श्री अमित, श्री दुर्गेश श्रीमती योगिता हारोडे, श्रीमती ललिता धुर्वे, सुश्री अनारकली तुमडाम, श्रीमती रामप्यारी भारती, श्रीमती रश्मि कश्यप का विशेष सहयोग रहा।

जिले में संचालित किया जा रहा संकल्प से समाधान अभियान

जिले में अभी तक 5 हजार 422 आवेदन हुए प्राप्त

नर्मदापुरम (निप्र)। राज्य शासन के निर्देशानुसार जिले में चलाये जा रहे संकल्प से समाधान अभियान के पहले चरण में पंचायत एवं नगरीय क्षेत्र में गठित दल द्वारा आवेदनों और शिकायतों का एकत्रीकरण किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव की दूरदर्शी सोच एवं नागरिकों को सेवाओं की सुलभ पहुंच उपलब्ध कराने की मंशा के अनुरूप तथा केंद्र एवं राज्य शासन की योजनाओं एवं सेवाओं का प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक लाभ पहुंचाने हेतु प्रदेश भर में स्वामी विवेकानन्द की जयंती 12 जनवरी से संकल्प से समाधान अभियान प्रारंभ किया गया है। चार चरणों के इस अभियान में नागरिकों को शासकीय विभागों से जुड़ी सेवाओं और योजनाओं का लाभ दिया जायेगा। इसके लिये पंचायत, नगरीय निकाय एवं जिला स्तर पर समितियों का गठन किया गया है।

अभियान का प्रथम चरण

संकल्प एवं समाधान अभियान का प्रथम चरण 12 जनवरी से 15 फरवरी, 2026 तक चलेगा। इस दौरान नागरिकों से आवेदन प्राप्त करने की कार्यवाही की जा रही है। प्रत्येक ग्राम पंचायत/नगरीय निकायों के वार्ड में गठित नगरीय वार्ड स्तरीय समिति, जिसमें ग्राम/नगरीय वार्ड स्तर के अधिकारी/कर्मचारी सम्मिलित हैं नागरिकों से आवेदन प्राप्त कर रहे हैं। पंचायत/नगरीय वार्ड स्तर पर आवेदन/शिकायतों के एकत्रीकरण के लिए दल भी गठित किया गया है, जिसके लिए एक नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। उक्त दल द्वारा शासन की विभिन्न योजनाओं/सेवाओं से संबंधित आवेदन व शिकायतों के आवेदन शिविर लगाकर या घर-घर जाकर एकत्रित किए जा रहे हैं। इसके लिये क्लस्टर स्तर पर नोडल अधिकारियों को नियुक्ति की गई है। नोडल अधिकारी द्वारा लॉगिन के माध्यम से सभी प्राप्त आवेदनों को पोर्टल पर दर्ज किया जा रहा है। पोर्टल पर दर्ज करने के बाद आवेदनों और शिकायतों को विभागवार संबंधित अधिकारियों को भेजा जा रहा है और निराकरण की स्थिति भी पोर्टल पर अद्यतन की जा रही है।

अभियान का द्वितीय एवं तृतीय चरण

संकल्प से समाधान अभियान के प्रथम चरण में अनिराकृत प्रकरणों का निराकरण 16 फरवरी से 16 मार्च तक चलाये जाने वाले दूसरे चरण में क्लस्टर स्तर पर शिविर लगाकर किया जायेगा। क्लस्टर स्तर पर आयोजित शिविरों में आम नागरिक आवेदन दे सकेंगे। अभियान का तीसरा चरण 16 मार्च से 26 तक चलाया जायेगा। तीसरे चरण में क्लस्टर स्तर पर अनिराकृत आवेदनों और शिकायतों तथा नये प्राप्त होने वाले आवेदनों का निराकरण करने खण्ड स्तर पर शिविर लगाये जायेंगे। इन शिविरों में किये गये निराकरणों को ब्लॉक लेवल नोडल अधिकारी द्वारा सीएम हेल्पलाइन पोर्टल पर दर्ज किया जायेगा।

अभियान का चतुर्थ चरण

संकल्प से समाधान अभियान का चौथा और आखिरी चरण 26 मार्च से 31 मार्च तक चलेगा। इस चरण में जिला स्तर पर शिविर लगाकर सभी अनिराकृत शेष आवेदनों एवं शिकायतों के साथ नवीन प्राप्त आवेदनों का निराकरण किया जायेगा। जिला स्तरीय शिविर में हितग्राहियों एवं लाभार्थियों को मौके पर ही हितलाभों का वितरण भी किया जायेगा।

विधायक डॉ चौधरी ने रायसेन में जिला स्तरीय खेलो एमपी यूथ गेम्स का किया शुभारंभ

रायसेन (निप्र)। रायसेन स्थित खेल स्टेडियम में सांची विधायक डॉ प्रभुराम चौधरी तथा नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती सविता सेन द्वारा दीप प्रज्वलन कर जिला स्तरीय खेलों एमपी यूथ गेम्स का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर विधायक डॉ चौधरी ने कहा कि खेलो एमपी यूथ गेम्स का आयोजन जिले की युवा प्रतिभाओं को मंच देने, उनके आत्मविश्वास को बढ़ाने और खेल भावना को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार खेल, खिलाड़ी और खेल मैदानों के उन्नयन के लिए कार्य कर रही है। खिलाड़ियों को बेहतर से बेहतर खेल सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। जिला स्तरीय प्रतियोगिता में एथलेटिक्स, कबड्डी, खो-खो, फुटबाल, टेबल टेनिस, शतरंज, रस्साकस्सी, व्हालीबॉल, क्रिकेट, योगासन, बास्केटबॉल एवं पिट्ठू में 07 विकासखण्डों से लगभग 600 खिलाड़ियो ने सहभागिता की। विधायक डॉ चौधरी ने कहा कि इस तरह के आयोजन ग्रामीण अंचल की प्रतिभाओं को निखारने, उन्हें अपने कौशल का प्रदर्शन करने का अवसर प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन न केवल शारीरिक विकास को बढ़ावा देते हैं, बल्कि अनुशासन, नेतृत्व और टीम भावना जैसे जीवन मूल्यों को भी मजबूत करते हैं। उन्होंने सभी प्रतिभागी खिलाड़ियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि यही खिलाड़ी अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से जिले और प्रदेश का नाम रोशन करेंगे। विधायक डॉ चौधरी ने कहा कि विगत वर्षों में रायसेन जिले में खेलों की अच्छी खेल सुविधाएं विकसित की गई है तथा पूरे जिले में और भी खेल अधोसंरचनाएं विकसित की जाएगी।

कलेक्टर अंशुल गुप्ता के निर्देशन में विदिशा जिले के नटेरन की ग्राम पंचायतों में पहुंचा कृषि रथ

विदिशा (निप्र)। राज्य सरकार द्वारा वर्ष 2026 को 'किसान कल्याण वर्ष' के रूप में मनाया जा रहा है। कृषि वर्ष 2026 के शुभारंभ के अवसर पर कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता के निर्देशन में विदिशा जिले के विकासखंड नटेरन की ग्राम पंचायतों में कृषि रथ कार्यक्रम का प्रभावी संचालन किया जा रहा है। इसी क्रम में ग्राम साढ़ेर में आयोजित कृषि रथ कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों एवं विभागीय अधिकारियों की उपस्थिति में किसानों को आधुनिक एवं वैज्ञानिक कृषि की दिशा में जागरूक किया गया।

कृषि रथ के माध्यम से किसानों तक पहुंचेगी आधुनिक कृषिगत जानकारी : विदिशा जिले के प्रत्येक विकासखंड अंतर्गत चयनित ग्राम पंचायतों में कृषि रथ का नियमित भ्रमण किया जाएगा। कृषि रथ के माध्यम से कृषि एवं संबद्ध विभागोंकृजैसे पशुपालन, उद्यानिकी, मत्स्य पालन आदिकृकी विभिन्न योजनाओं, गतिविधियों एवं नवीन पहल की

जानकारी प्रतिदिन ग्राम पंचायत स्तर पर किसानों तक पहुंचाई जा रही है। इस दौरान किसानों और कृषि वैज्ञानिकों के बीच सीधा संवाद स्थापित कर आधुनिक तकनीकों, नवाचारों एवं उत्पादन बढ़ाने के उपायों से अवगत कराया जा रहा है।

विभिन्न कृषिगत गतिविधियों से किसान हुए रूबरू : कृषि रथ के माध्यम से जैविक एवं प्राकृतिक खेती को बढ़ावा, मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना, एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन, कीट एवं रोग प्रबंधन, कृषि को लाभकारी व्यवसाय बनाने के उपाय, फसल विविधीकरण, विभागीय कृषि योजनाओं का प्रचार-प्रसार, प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना, ई-विकास प्रणाली अंतर्गत ई-टोकन उर्वरक वितरण व्यवस्था तथा पराली प्रबंधन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तारपूर्वक जानकारी दी जा रही है।

ग्राम साढ़ेर में किसानों से हुआ संवाद : आज कृषि रथ ग्राम साढ़ेर पहुंचा, जहां उपस्थित कृषकों के साथ कृषि विस्तार अधिकारी श्री सत्यम नेमा द्वारा नई ई-टोकन उर्वरक वितरण व्यवस्था एवं विभिन्न विभागीय योजनाओं पर विस्तृत चर्चा की गई। किसानों ने योजनाओं में गहरी रुचि दिखाई एवं अधिकारियों से प्रश्न पूछकर जानकारी प्राप्त की। कृषि रथ अभियान के माध्यम से किसानों को आधुनिक, वैज्ञानिक एवं लाभकारी खेती की ओर प्रेरित कर किसान कल्याण वर्ष 2026 को सार्थक बनाने का प्रयास किया जा रहा है। ग्राम साढ़ेर के पश्चात कृषि रथ ग्राम पंचायत बाढ़ेर पहुंचा, जहां किसानों ने शासन की विभिन्न कृषिगत योजनाओं की जानकारी ली तथा योजनाओं से लाभान्वित कृषकों ने अपने अनुभव साझा किए। इसके उपरांत कृषि रथ ग्राम पंचायत हिनोतिया माली पहुंचा, जहां कृषि विस्तार अधिकारी श्री अभिषेक जैन द्वारा पशुपालन विभाग की डेयरी संबंधित योजनाओंकृमुख्यतः आचार्य विद्यासागर दुग्ध गौ संवर्धन योजना, डेयरी प्लस योजना, बकरी एवं कुक्कुट पालन योजनाओंकृकी विस्तृत जानकारी कृषकों को दी गई। ग्राम पंचायत साढ़ेर में सरपंच श्री कृष्णपाल सिंह राजपूत की अध्यक्षता में कृषि रथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।

कार्यक्रम में कृषि विभाग से कृषि विस्तार अधिकारी श्री सत्यम नेमा, श्री अभिषेक जैन, श्री अनिल बघेल, श्री लक्ष्मण सिंह गुर्जर, श्री विकास शाक्य, श्री रजत जैन, श्री राघवेंद्र अहिरवार, सुश्री शालिनी रघुवंशी, सुश्री तुलसा, सुश्री संगम रघुवंशी, आत्मा परियोजना से श्री अनिकेत रघुवंशी, फसल बीमा से श्री जितेंद्र यादव सहित ग्राम पंचायत सचिव, रोजगार सहायक एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

MPIDC
MP INDUSTRIAL DEVELOPMENT CORPORATION LTD.

इन्वेस्ट मध्यप्रदेश

वैश्विक मंच पर मध्यप्रदेश निवेश भी विकास भी

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

"मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम (WEF-2026), दावोस यात्रा ने मध्यप्रदेश को वैश्विक निवेश एवं नवाचार के केंद्र के रूप में स्थापित करने में ऐतिहासिक सफलता प्राप्त की। यह यात्रा मध्यप्रदेश के लिए निवेश, रोज़गार और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के साथ ही प्रदेश के हरित, डिजिटल और समावेशी विकास की दिशा में मील का पत्थर साबित हुई है।"

हरित ऊर्जा एवं समावेशी विकास

- मध्यप्रदेश के हरित ऊर्जा विज़न का प्रदर्शन
- सौर ऊर्जा, ऊर्जा भंडारण जैसी परियोजनाओं की प्रगति और भावी योजनाओं से वैश्विक निवेश
- हरित ऊर्जा विज़न से प्रेरित मध्यप्रदेश मॉडल का वैश्विक मंच पर रेखांकन

निवेश प्रोत्साहन एवं उद्योग संवाद

- 'इन्वेस्ट इन इंडिया : मध्यप्रदेश' राउंड टेबल मीटिंग में वैश्विक निवेशकों से संवाद
- ऑटोमोबाइल, नवीकरणीय ऊर्जा, फार्मा, आईटी, कृषि-प्रसंस्करण जैसे प्रमुख क्षेत्रों में निवेश एवं रोज़गार के अवसर

फार्मा एवं स्वास्थ्य क्षेत्र में प्रगति

- सैंडोज़ प्रतिनिधि मंडल के साथ फार्मा विनिर्माण पर परिचर्चा
- जेनेरिक दवाओं एवं एपीआई निर्माण में निवेश की संभावनाएं
- उन्नत अवसंरचना, नीतिगत समर्थन एवं कुशल कार्यबल विकास पर चर्चा

पर्यटन को मिला वैश्विक मंच

- 'रीइमेजिनिंग टूरिज्म एट स्केल' सत्र में मध्यप्रदेश के विविध पर्यटन आकर्षणों का प्रस्तुतिकरण
- विरासत, वन्यजीव और आध्यात्मिक पर्यटन को वैश्विक निवेश से जोड़ने पर बल
- 'अतुल्य भारत के हृदय प्रदेश' की विकास यात्रा में वैश्विक निवेशकों को आमंत्रण

अंतर्राष्ट्रीय साझेदारी को मजबूती

- मालदीव से द्विपक्षीय वार्ता में पर्यटन, चिकित्सा, शिक्षा एवं सांस्कृतिक आदान-प्रदान में सहयोग पर सहमति
- अंतर्राष्ट्रीय साझेदारी को मिलेगी मजबूती

डिजिटल भविष्य को मिलता बल

- ReNew Power के साथ संवाद में डेटा सेंटर और डिजिटल इकोनॉमी के लिए स्वच्छ ऊर्जा-आधारित विकास मॉडल पर परिचर्चा
- मध्यप्रदेश को विश्वसनीय हरित ऊर्जा केंद्र के रूप में स्थापित करने पर बल

खेल विकास एवं योग को बढ़ावा

- मैनचेस्टर यूनाइटेड के साथ खेल विकास एवं खेल पर्यटन पर चर्चा
- योग एवं आध्यात्मिक कल्याण से जुड़े वैश्विक संगठनों के साथ संवाद
- उज्जैन में अंतर्राष्ट्रीय योग केंद्र स्थापित करने की संभावनाओं पर चर्चा

तकनीक एवं नवाचार को प्रोत्साहन

- स्विस संसद के सदस्यों के साथ स्वच्छ ऊर्जा, उन्नत विनिर्माण एवं कौशल विकास पर चर्चा
- तकनीकी प्रशिक्षण एवं हरित नवाचार में सहयोग
- स्विस निवेश एवं विशेषज्ञता को मध्यप्रदेश की प्राथमिकताओं से जोड़ने पर सहमति

आर्थिक विकास एवं रोज़गार को बल

- मध्यप्रदेश और डीपी वर्ल्ड के मध्य एमओयू से व्यापारिक गतिविधियों को मिलेगी नई दिशा
- लॉजिस्टिक्स और इंफ्रास्ट्रक्चर में निवेश की संभावनाओं से आर्थिक विकास एवं रोज़गार को बढ़ावा

मध्यप्रदेश की विकास यात्रा में बनें सहभागी

डॉ. मोहन यादव का अभ्युदय मध्यप्रदेश

D-11189/25